वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 45 शनिवार 18 जुलाई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर के 75 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का किया लोकार्पणः राजस्थान को गोटन समेत 8 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों की मिली सौगात

अमृत स्टेशनों से विकसित राजस्थान के संकल्प को मिलेगी नई गति: भजनलाल

पीएम मोदी के नेतृत्व में रेल कनेक्टिविटी का हो रहा अभूतपूर्व विस्तार, राजस्थान को मिला 10 हजार 228 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक बजट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पंजाब के जालंधर से देशभर के 75 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों को राष्ट्र को समर्पित किया। 20 राज्यों के इन पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों में राजस्थान के 8 अमृत स्टेशन गोटन, डीग, सोमेसर, दौसा, खैरथल, बाड़मेर, जैसलमेर और गंगापुर सिटी भी शामिल हैं।

नागौर/जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नागौर के गोटन रेलवे स्टेशन से वीसी के जरिए प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से जुड़े और उनका संबोधन सुना। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प में रेलवे की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ष 2014 के बाद भारतीय रेलवे में ऐतिहासिक परिवर्तन हुए हैं, जिससे देश की प्रगति, विकास और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला बनी है। प्रधानमंत्री के कर कमलों से प्रदेश को आज 8 अमृत स्टेशनों की सौगात मिली है। ये अमृत स्टेशन विकसित राजस्थान के संकल्प को गति देने में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे निरंतर नई ऊंचाइयां छू रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वस्तरीय एवं आधुनिक रेलवे स्टेशन तथा सुरक्षित और सुविधाजनक सेवाओं के संकल्प के साथ रेलवे के बुनियादी ढांचे का व्यापक आधुनिकीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यात्रियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं तथा रेल कनेक्टिविटी का निरंतर विस्तार हो रहा है।

राजस्थान के लिए बजट बढ़कर हुआ 15 गुना

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में राजस्थान को रेलवे की ऐतिहासिक सौगातें मिल रही हैं। वर्ष 2009 से 2014 के दौरान राजस्थान को रेलवे के लिए 682 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जो वर्ष 2026-27 में बढ़कर 10 हजार 228 करोड़ रुपये हो गया है। वर्तमान में प्रदेश में 76 हजार 800 करोड़ रुपये से अधिक के रेलवे कार्य प्रगति पर हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, राज्य किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी, विधायक लक्ष्मण राम कलरू, रेवंत राम डांगा सहित रेलवे के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत ट्रेनें आधुनिकता की 'त्रिवेणी'

उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनें गति और आधुनिकता के नए मानक स्थापित कर रही हैं। नमो भारत रैपिड रेल शहरी कनेक्टिविटी को नई दिशा दे रही है तथा अमृत भारत ट्रेनें आम यात्रियों को बेहतर और किफायती यात्रा सुविधा प्रदान कर रही हैं। इसी तरह भारत गौरव ट्रेनें हमारी सांस्कृतिक विरासत को देश के विभिन्न भागों से जोड़ रही है। रेलवे विद्युतीकरण भारत को हरित परिवहन की दिशा में आगे बढ़ा रहा है तथा नए रेल मार्ग, आधुनिक स्टेशन और अत्याधुनिक टर्मिनल देश की आर्थिक प्रगति को गति दे रहे हैं।

प्रदेश में 5 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएं, 85 स्टेशनों का हो रहा विकास

वर्तमान में राजस्थान में 5 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएं संचालित हो रही हैं तथा वर्ष 2014 से अब तक लगभग 3 हजार 900 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का निर्माण किया गया है। इसी तरह 4 हजार 623 करोड़ रुपये की लागत से 85 स्टेशनों का विकास किया जा रहा है, जिनमें से कई स्टेशनों का कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि गत माह में जयपुर से दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस सेवा प्रारम्भ की गई तथा 205 करोड़ रुपये की लागत से खातीपुरा में विकसित मेगा कोचिंग टर्मिनल का शुभारम्भ किया गया। इससे वंदे भारत सहित विभिन्न प्रकार की ट्रेनों का रखरखाव एक ही स्थान पर किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर राजस्थान की आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। प्रदेश में 567 रूट किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर पर लगभग 14 हजार 700 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। शक्ति कार्गो टर्मिनल योजना के अंतर्गत अनेक टर्मिनल स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को विकसित राजस्थान के माध्यम से साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार पानी, बिजली, सड़क, रेलवे से लेकर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने के साथ प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयां प्रदान कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि गोटन अमृत स्टेशन पूरे नागौर क्षेत्र के लिए विकास का नया केंद्र बनेगा।

विज्ञान का अद्भुत चमत्कार: मिला ऐसा ब्लड ग्रुप जो पूरी दुनिया में सिर्फ एक इंसान के पास है...

डॉ. विजय गर्ग

चिकित्सा विज्ञान में समय-समय पर ऐसी खोजें होती हैं जो न केवल वैज्ञानिकों को चकित करती हैं, बल्कि मानव शरीर की जटिलता और प्रकृति के अद्भुत रहस्यों को भी उजागर करती हैं। हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक ऐसे अत्यंत दुर्लभ रक्त समूह (ब्लड ग्रुप) की पहचान की है, जो अब तक पूरी दुनिया में केवल एक व्यक्ति में पाया गया है। यह खोज रक्त विज्ञान (इम्यूनोहेमेटोलॉजी) के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है और भविष्य में रक्त संक्रमण (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) तथा व्यक्तिगत चिकित्सा (पर्सनलाइज्ड मेडिसिन) के क्षेत्र में नए आयाम खोल सकती है।

रक्त समूह क्यों होते हैं अलग?

अधिकांश लोग ए, बी, एबी और ओ रक्त समूहों से परिचित हैं। इनके साथ आरएच (फँ) पॉजिटिव और नेगेटिव की पहचान भी जुड़ी होती है। लेकिन वास्तव में मानव रक्त में सैकड़ों प्रकार के एंटीजन पाए जाते हैं, जिनके आधार पर वैज्ञानिक 40 से अधिक रक्त समूह प्रणालियों की पहचान कर चुके हैं। इन एंटीजन में मामूली अंतर भी किसी व्यक्ति के रक्त को अत्यंत दुर्लभ बना सकता है। यदि किसी व्यक्ति को ऐसा रक्त चढ़ा दिया जाए जो उसके शरीर के अनुकूल न हो, तो गंभीर चिकित्सीय जटिलताएँ उत्पन्न हो सकती हैं। यही कारण है कि रक्त समूहों की सही पहचान जीवनरक्षक साबित होती है।

क्या है इस खोज की विशेषता?

वैज्ञानिकों द्वारा पहचाना गया यह नया रक्त समूह इतना दुर्लभ है कि अब तक केवल एक व्यक्ति में ही इसकी पुष्टि हुई है। इसका अर्थ यह नहीं कि भविष्य में ऐसा रक्त किसी अन्य व्यक्ति में नहीं मिलेगा, बल्कि यह दर्शाता है कि वर्तमान वैज्ञानिक जानकारी और उपलब्ध परीक्षणों के आधार पर अभी तक इसकी पहचान केवल एक ही मामले में हुई है। इस खोज ने यह भी सिद्ध किया है कि मानव आनुवंशिकी (जेनेटिक्स) और रक्त विज्ञान के बारे में अभी भी बहुत कुछ जानना बाकी है। आधुनिक तकनीकों, विशेषकर डीएनए विश्लेषण और जीन अनुक्रमण (जीनोम सीक्वेंसिंग), ने ऐसी दुर्लभ पहचान को संभव बनाया है।

रक्त संक्रमण के लिए चुनौती

यदि इस दुर्लभ रक्त समूह वाले व्यक्ति को कभी रक्त की आवश्यकता पड़े, तो उसके लिए उपयुक्त रक्तदाता ढूँढ़ना अत्यंत कठिन होगा। सामान्य रक्त समूहों का रक्त उसके लिए सुरक्षित नहीं हो सकता। इसी कारण विश्वभर में दुर्लभ रक्त समूहों का डेटा एकत्र किया जाता है और विशेष रक्तदाताओं का पंजीकरण किया जाता है। कई देशों में ''रेयर ब्लड डोनर रजिस्ट्री'' बनाई गई है, ताकि आपातकाल में ऐसे मरीजों की सहायता की जा सके।

आनुवंशिकी का महत्वपूर्ण योगदान

रक्त समूहों का निर्धारण हमारे माता-पिता से प्राप्त जीनों के आधार पर होता है। कभी-कभी जीन में अत्यंत दुर्लभ परिवर्तन (म्यूटेशन) होने के कारण नए या असामान्य रक्त समूह सामने आते हैं। यही कारण है कि वैज्ञानिक लगातार नए रक्त समूहों और उनके आनुवंशिक आधार का अध्ययन कर रहे हैं। यह खोज इस बात का प्रमाण है कि मानव शरीर में जैविक विविधता हमारी कल्पना से कहीं अधिक व्यापक है।

चिकित्सा विज्ञान को क्या होगा लाभ?

इस प्रकार की खोजों से कई महत्वपूर्ण लाभ मिल सकते हैं...

दुर्लभ रक्त समूह वाले मरीजों का सुरक्षित उपचार संभव होगा।
रक्त संक्रमण की गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार होगा।
आनुवंशिक रोगों के अध्ययन को नई दिशा मिलेगी।
व्यक्तिगत चिकित्सा को बढ़ावा मिलेगा।
भविष्य में कृत्रिम रक्त और उन्नत रक्त परीक्षण तकनीकों के विकास में सहायता मिलेगी।

भारत के लिए भी महत्वपूर्ण

भारत जैसे विशाल और विविध आबादी वाले देश में अनेक दुर्लभ आनुवंशिक विशेषताएँ पाई जाती हैं। इसलिए यहाँ दुर्लभ रक्त समूहों की पहचान, रक्तदाताओं का पंजीकरण तथा आधुनिक परीक्षण सुविधाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। इससे गंभीर रोगियों, थैलेसीमिया, कैंसर और जटिल शल्य चिकित्सा से गुजर रहे मरीजों को समय पर उपयुक्त रक्त उपलब्ध कराया जा सकेगा।

जागरूकता की आवश्यकता

अधिकांश लोग केवल अपने एबीओ और आरएच रक्त समूह को जानते हैं, जबकि कई बार उससे कहीं अधिक विस्तृत परीक्षण की आवश्यकता होती है। नियमित रक्तदान, रक्त समूह की सही जानकारी और दुर्लभ रक्तदाताओं का राष्ट्रीय स्तर पर पंजीकरण लाखों लोगों की जान बचा सकता है।

निष्कर्ष

दुनिया के सबसे दुर्लभ रक्त समूह की पहचान केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि मानव शरीर के रहस्यों को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह खोज हमें याद दिलाती है कि विज्ञान लगातार नई सीमाएँ पार कर रहा है और हर नई खोज भविष्य की बेहतर चिकित्सा व्यवस्था की नींव रखती है। संभव है कि आने वाले वर्षों में इसी प्रकार की और भी दुर्लभ रक्त समूहों की पहचान हो, जिससे चिकित्सा विज्ञान अधिक सटीक, सुरक्षित और व्यक्तिगत बन सके। मानव जीवन की रक्षा के लिए विज्ञान की यह यात्रा निरंतर जारी है, और ऐसी खोजें उसी यात्रा के प्रेरणादायक पड़ाव हैं।

छत्रपति संभाजीनगर में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया जाएगा गणिनी आर्यिका श्री विमलप्रभा माताजी का 76वां जन्म जयंती महोत्सव

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य प्रथम गणिनी आर्यिका 105 श्री विजयमती माताजी की परम प्रभाविका शिष्या एवं वात्सल्यमूर्ति परम पूज्य गणिनी आर्यिका 105 श्री विमलप्रभा माताजी का 76वाँ जन्म जयंती महोत्सव शनिवार, 18 जुलाई 2026 को श्री 1008 कल्पतरु कुंथुनाथ दिगम्बर जैन मंदिर (लाल मंदिर), बालाजी नगर, छत्रपति संभाजीनगर में श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रहने की संभावना है। कार्यकारी मंडल एवं वर्षायोग समिति 2026 के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव के अंतर्गत गुरुभक्ति, धमाराधना तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भव्य श्रृंखला आयोजित की जाएगी। समिति ने समस्त जैन समाज से परिवार सहित उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

कार्यक्रम की रूपरेखा

17 जुलाई 2026 (शुक्रवार)
दोपहर 2:00 बजे से – कल्याणमंदिर विधान एवं अर्चना
सायं 7:30 बजे से – आरती एवं पूज्य माताजी के जीवन पर आधारित प्रश्नमंच
18 जुलाई 2026 (शनिवार)
प्रातः 8:00 बजे से
पूज्य माताजी का पदप्रक्षालन, पूजन, शास्त्र भेंट, विनयांजलि सभा, मंगल प्रवचन सायं 7:00 बजे से
पूज्य माताजी की आरती, गुरुभक्ति, पाठशाला के बच्चों द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ।

समिति के अनुसार यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए गुरुभक्ति, साधना एवं धमाराधना का अनुपम अवसर है। सभी श्रद्धालुओं से इस पावन महोत्सव में सहभागी बनकर अपने पुण्य-कोष को समृद्ध करने तथा आयोजन की गरिमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया है।

उल्लेखनीय है कि परम पूज्य गणिनी आर्यिका 105 श्री विमलप्रभा माताजी का 42वाँ पावन वर्षायोग (चातुर्मास) वर्ष 2026 में श्री 1008 कल्पतरु कुंथुनाथ दिगम्बर जैन मंदिर (लाल मंदिर), बालाजी नगर, छत्रपति संभाजीनगर में संपन्न हो रहा है, जिससे संपूर्ण क्षेत्र में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है। कार्यकारी मंडल एवं वर्षायोग समिति 2026 ने समस्त श्रद्धालुओं से परिवार सहित उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने एवं इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने का सादर आह्वान किया है।

जयकारों के बीच जयपुर से 108 श्रद्धालुओं का पांच दिवसीय श्री नेमी गिरनार धर्मयात्रा दल रवाना

भगवान नेमिनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर गिरनार की उर्जयन्त चोटी पर चढ़ाएंगे निर्वाण लाडू

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व जैन संगठन, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय श्री नेमी गिरनार धर्मयात्रा के लिए 108 श्रद्धालुओं का दल गुरुवार सायंकाल प्रताप नगर सेक्टर-8 से जयकारों एवं मंगलध्वनि के बीच रवाना हुआ। विश्व जैन संगठन के अध्यक्ष बाबूलाल जैन ईटूंदा एवं महामंत्री आशीष पाटनी ने बताया कि यात्रा दल को राजस्थान जैन सभा, जयपुर के अध्यक्ष सुभाषचंद जैन, राजस्थान युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला, महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद, प्रताप नगर सेक्टर-8 जैन समाज के अध्यक्ष धर्मचंद जैन पराना, दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग के मंत्री डॉ. अरविंद जैन, महिला मंडल अध्यक्ष अनिता जैन ईटूंदा, मंत्री शेफाली जैन तथा दिगम्बर जैन युवा परिषद के दिनेश बड़जात्या सहित अनेक पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं देकर रवाना किया। यात्रा के मुख्य संयोजक अशोक जैन गुढाचन्द्रजी ने बताया कि इस अवसर पर अतिथियों ने सभी यात्रियों का तिलक कर माल्यार्पण किया तथा श्रीफल भेंट कर सफल एवं मंगलमय धर्मयात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान राजस्थान जैन सभा के कार्यकारिणी सदस्य जिनेंद्र जैन जीतू, राखी जैन, विश्व जैन संगठन के दीपेश बिंदायक्या, डॉ. हिमांशु जैन, चौबीस महाराज पूजा संघ के सीए विकास जैन, दिनेश जैन सहित प्रताप नगर सेक्टर-3, सेक्टर-8, सेक्टर-17, श्योपुर तथा चौमूं बाग मंदिर समितियों के पदाधिकारी, सदस्य एवं सैकड़ों समाजजन उपस्थित रहे। रवानगी के समय यात्रियों में धर्मयात्रा को लेकर विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण दिखाई दिया। बाबूलाल जैन ईटूंदा एवं आशीष पाटनी ने बताया कि यात्रा दल मार्ग में विभिन्न जैन तीर्थ क्षेत्रों के दर्शन करते हुए 19 जुलाई की रात्रि को गिरनारजी पहुंचेगा। इसके बाद 20 जुलाई को जैन धर्म के 21वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर गिरनार पर्वत की पांचवीं टोक स्थित पावन उर्जयन्त चोटी पर देशभर से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं के साथ जयकारों के बीच निर्वाण लाडू अर्पित किए जाएंगे। इसके उपरांत श्रद्धालु पर्वत वंदना करते हुए तलहटी स्थित जिनालयों के दर्शन करेंगे तथा धर्मयात्रा पूर्ण कर जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। यात्रा दल 21 जुलाई की रात्रि तक जयपुर लौटेगा।

मिशन मुस्कान से 50 बच्चों के चेहरों पर बिखरी खुशियां

अजमेर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 ई-2 के प्रांतपाल लायन निशांत जैन द्वारा दिए गए प्रांतीय स्लोगन रफ्लाइट ऑफ ड्रीमर के प्रमुख सेवा प्रकल्प ''मिशन मुस्कान'' के अंतर्गत लायंस क्लब अजमेर आस्था ने जरूरतमंद बच्चों के जीवन में खुशियों के रंग भरने का सराहनीय कार्य किया। समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन अतुल पाटनी, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी एवं अन्य भामाशाहों के सहयोग से अलवर गेट, अजमेर के झलकारी नगर स्थित बावड़ी पाड़ा आंगनवाड़ी के 30 तथा आदर्श नगर के ज्योति नगर स्थित बड़ा बगरू आंगनवाड़ी के 20 बच्चों सहित कुल 50 बच्चों को नवीन गणवेश वितरित किए गए। नए गणवेश पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे, वहीं अभिभावकों ने क्लब के इस सेवा कार्य की मुक्त कंठ से सराहना की। क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना ने बताया कि कार्यक्रम का सफल संयोजन मिशन मुस्कान के प्रांतीय संयोजक लायन अतुल पाटनी ने किया। इस दौरान बड़ा बगरू आंगनवाड़ी की कार्यकर्ता कामिनी कच्छावा एवं सहायिका ज्योति यादव तथा बावड़ी पाड़ा आंगनवाड़ी की कार्यकर्ता गायत्री जनोटिया एवं सहायिका अनिता देवी को बच्चों के लिए गणवेश सौंपे गए। इसके पश्चात आंगनवाड़ी में उपस्थित बच्चों को उनके अभिभावकों की मौजूदगी में गणवेश पहनाए गए, जिससे बच्चों में उत्साह, आत्मविश्वास और नई उमंग का संचार हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी जनों ने विश्वास व्यक्त किया कि मिशन मुस्कान के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ने, उनमें आत्मविश्वास का संचार करने तथा उनके जीवन में नई आशा और मुस्कान लाने का यह सेवा अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप का ''जल सेवक मिलन समारोह'' 19 जुलाई को

18 वर्षों से संचालित नि:शुल्क शीतल जल सेवा से जुड़े जल सेवकों का होगा सम्मान

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, गंगापुर सिटी द्वारा रेलवे स्टेशन पर पिछले 18 वर्षों से संचालित नि:शुल्क शीतल जल सेवा अभियान से जुड़े सभी जल सेवकों, सहयोगियों एवं ग्रुप सदस्यों के सम्मान तथा आपसी संवाद के उद्देश्य से ''जल सेवक मिलन समारोह'' का आयोजन रविवार, 19 जुलाई 2026 को दिगंबर जैन मंदिर, नसियां जी, गंगापुर सिटी में किया जाएगा। ग्रुप अध्यक्ष नरेंद्र जैन 'नृपत्या' ने बताया कि समारोह का उद्देश्य जल सेवा अभियान में सहयोग देने वाले सभी जल सेवकों का सम्मान करना, सेवा कार्यों की समीक्षा करना तथा आगामी सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ अपराह्न 3:30 बजे स्वागत समारोह के साथ होगा। इसके बाद 3:30 से 4:30 बजे तक सघन वृक्षारोपण अभियान, 4:30 से 4:45 बजे तक चाय विराम, 4:45 से 5:00 बजे तक चुग्गादान अभियान पर चर्चा एवं सहयोग, 5:00 से 5:30 बजे तक विशिष्ट सहयोगियों एवं सेवा कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सदस्यों का स्वागत-अभिनंदन, 5:30 से 6:30 बजे तक वात्सल्य भोज तथा सायं 6:45 बजे से 108 दीपों से भगवान जिनेंद्र की भव्य आरती आयोजित की जाएगी। समारोह के संयोजक धर्मेंद्र-निशा पांड्या, दीपेंद्र-नीरू पाटनी, अरविंद-शिल्पी जैन गोधा एवं जगदीश-चंद्रेश जैन हैं। वृक्षारोपण एवं चुग्गादान व्यवस्था की जिम्मेदारी अशोक-मधु पांड्या निभाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मनोज जैन एवं डॉ. सुलेखा जैन होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुमेर जैन, शशि जैन सोनी तथा दिगंबर जैन समाज, गंगापुर सिटी के अध्यक्ष प्रवीण जैन गंगवाल एवं नीरा जैन गंगवाल उपस्थित रहेंगे। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ने सभी जल सेवकों, ग्रुप सदस्यों एवं उनके परिवारजनों से समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। समारोह के लिए महिलाओं का ड्रेस कोड हरी साड़ी निर्धारित किया गया है।

राजनीति

बार-बार बम की धमकी क्यों नहीं रुकती?

कांतिलाल मांडोत

देशभर में सरकारी कार्यालयों, हवाई अड्डों, स्कूलों, अस्पतालों, न्यायालयों और पासपोर्ट कार्यालयों को ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकियां लगातार मिल रही हैं। हाल ही में झारखंड के रांची, देवघर और धनबाद के पासपोर्ट कार्यालयों तथा प्रधान डाकघरों को ऐसे ईमेल मिले। इससे पहले गुजरात सहित कई राज्यों के सरकारी संस्थान भी इसी तरह की धमकियों का सामना कर चुके हैं। हर बार पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड घंटों तक तलाशी अभियान चलाते हैं, लेकिन अधिकांश मामलों में कोई विस्फोटक नहीं मिलता। फिर भी प्रशासन को प्रत्येक सूचना को गंभीरता से लेना पड़ता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसे ईमेल भेजने वालों तक पहुंचना इतना कठिन क्यों होता है? आधुनिक तकनीक के युग में भी अपराधी अक्सर अपनी पहचान छिपाने में सफल हो जाते हैं। वे फर्जी नाम से ईमेल खाते बनाते हैं और वीपीएन, प्रॉक्सी सर्वर, टोर नेटवर्क, सार्वजनिक वाई-फाई अथवा अस्थायी ईमेल सेवाओं का उपयोग करते हैं। कई बार ईमेल किसी एक देश से भेजा हुआ दिखाई देता है, जबकि उसका वास्तविक स्रोत किसी दूसरे देश में होता है। इससे जांच प्रक्रिया जटिल हो जाती है। जांच एजेंसियां केवल ईमेल पते पर निर्भर नहीं रहतीं। वे ईमेल हेडर, आईपी एड्रेस, सर्वर लॉग और अन्य डिजिटल संकेतों का विश्लेषण करती हैं। लेकिन यदि अपराधी पहले से ही अपनी डिजिटल पहचान छिपाने के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग कर चुका हो, तो वास्तविक स्रोत तक पहुंचने में समय लगता है। विदेशी सर्वरों से जुड़े मामलों में संबंधित देशों की एजेंसियों और ईमेल सेवा प्रदाताओं से कानूनी प्रक्रिया के तहत जानकारी प्राप्त करनी पड़ती है, जिससे जांच और लंबी हो जाती है। स्थिति तब और कठिन हो जाती है जब अपराधी हैक किए गए ईमेल खातों का उपयोग करते हैं। पहली नजर में संदेह निर्दोष व्यक्ति पर जाता है, जबकि असली अपराधी कहीं और बैठा होता है। ऐसे मामलों में डिजिटल फॉरेंसिक जांच, इंटरनेट रिकॉर्ड, मोबाइल डेटा, सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को जोड़कर ही अपराधी तक पहुंचा जा सकता है।

संपादकीय

पंचायत-निकाय चुनावों की अनिश्चितता

राजस्थान उच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणियों ने राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। पंचायती राज संस्थाओं और नगरीय निकायों के चुनावों में लगातार हो रही देरी को लेकर अदालत की नाराजगी केवल प्रशासनिक शिथिलता का मामला नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल सिद्धांतों से जुड़ा विषय है। संविधान के अनुच्छेद 243-ई के अनुसार पंचायतों का कार्यकाल पाँच वर्ष निर्धारित है और इसके बाद निर्धारित अवधि में चुनाव कराना संवैधानिक दायित्व है। इसके बावजूद राज्य की अनेक पंचायतों और निकायों में समय पर चुनाव नहीं हो सके हैं। उच्च न्यायालय ने नवंबर 2025 में निर्देश दिया था कि 15 अप्रैल 2026 तक चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस दिशा में स्पष्टता प्रदान की थी। निर्धारित समयसीमा पूरी न होने पर मई 2026 में हाईकोर्ट ने 31 जुलाई 2026 तक चुनाव संपन्न कराने का नया निर्देश दिया। साथ ही परिसीमन और मतदाता सूची संशोधन का कार्य 20 जून तक पूरा करने को कहा गया। इसके बावजूद जुलाई के मध्य तक ओबीसी आरक्षण संबंधी रिपोर्ट लंबित है, आरक्षण निर्धारण अधूरा है और राज्य निर्वाचन आयोग का कहना है कि आरक्षण तय होने के बाद भी चुनाव कराने में लगभग 90 दिन का समय लगेगा। इसी बीच पूर्व कांग्रेस विधायक संयम लोढ़ा द्वारा दायर अवमानना याचिका ने मामले को फिर न्यायालय के समक्ष ला खड़ा किया है। चुनावों में देरी के पीछे परिसीमन, पंचायतों के पुनर्गठन, ओबीसी आयोग की रिपोर्ट और मौसम जैसी दलीलें बार-बार सामने रखी जा रही हैं। हालांकि न्यायालय पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं के नाम पर चुनाव अनिश्चितकाल तक नहीं टाले जा सकते। अदालत ने यह भी माना कि इससे स्थानीय स्वशासन व्यवस्था प्रभावित होती है, विकास कार्यों की गति रुकती है और जनता की लोकतांत्रिक भागीदारी कमजोर पड़ती है। लंबे समय तक प्रशासकों के भरोसे पंचायतों और निकायों का संचालन लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप नहीं माना जा सकता। राजस्थान में पंचायती राज व्यवस्था ग्रामीण विकास की आधारशिला है। सड़क, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन चुने हुए जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ही संभव होता है। जब निर्वाचित प्रतिनिधियों के स्थान पर प्रशासक लंबे समय तक व्यवस्था संभालते हैं, तब जवाबदेही और जनसंपर्क दोनों प्रभावित होते हैं। विपक्ष सरकार पर चुनाव टालने के राजनीतिक आरोप लगा रहा है, जबकि सरकार अपनी प्रशासनिक मजबूरियां बता रही है। लेकिन कारण चाहे जो भी हों, संवैधानिक समयसीमा का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। अब स्थिति यह है कि जुलाई की समयसीमा भी चुनौतीपूर्ण दिखाई दे रही है। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार पंचायत चुनाव चार चरणों और निकाय चुनाव दो चरणों में प्रस्तावित हैं, जिनके लिए व्यापक तैयारियां आवश्यक हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

रील्स नहीं, रियल स्किल्स बनाती हैं भविष्य

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल युग ने अवसरों की दुनिया को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। आज एक स्मार्टफोन और इंटरनेट कनेक्शन के माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपनी प्रतिभा को लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को नया मंच दिया है और अनेक युवाओं ने अपनी रचनात्मकता, मेहनत तथा निरंतर प्रयास से पहचान, सम्मान और आर्थिक सफलता भी अर्जित की है। यह तकनीकी क्रांति का सकारात्मक पक्ष है। लेकिन इसकी चमक के पीछे एक ऐसी वास्तविकता भी छिपी है, जिसे लाइक्स, व्यूज और वायरल वीडियो की चकाचौंध अक्सर ढक देती है। आज बड़ी संख्या में युवा पारंपरिक शिक्षा, व्यावसायिक कौशल और दीर्घकालिक करियर योजना की अपेक्षा सोशल मीडिया को सफलता का सबसे आसान और तेज माध्यम मानने लगे हैं। यह सोच आकर्षक अवश्य है, लेकिन उतनी ही जोखिमपूर्ण भी। हमें केवल वही लोग दिखाई देते हैं जिन्होंने करोड़ों कमाए, आलीशान जीवन बनाया और लोकप्रियता हासिल की। कैमरे के पीछे मौजूद लाखों ऐसे लोग दिखाई नहीं देते जो वर्षों से मेहनत करने के बावजूद न पर्याप्त दर्शक जुटा सके और न आर्थिक स्थिरता प्राप्त कर पाए। सफलता की कहानियाँ वायरल होती हैं, संघर्ष की कहानियाँ आँकड़ों में दब जाती हैं। वास्तविकता यह है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सफलता बेहद असमान रूप से वितरित होती है। कुछ प्रतिशत शीर्ष क्रिएटर्स अधिकांश दर्शकों, विज्ञापनों और आय पर अधिकार कर लेते हैं, जबकि लाखों लोग सीमित अवसरों के लिए संघर्ष करते रहते हैं। इसलिए सोशल मीडिया को सुनिश्चित करियर मान लेना व्यावहारिक नहीं है। इसका अर्थ यह नहीं कि सोशल मीडिया बुरा है या उस पर करियर बनाना गलत है। समस्या तब पैदा होती है जब युवा बिना शिक्षा, कौशल या पेशेवर योग्यता विकसित किए केवल वायरल होने की उम्मीद पर अपना भविष्य दाँव पर लगा देते हैं। इंटरनेट पर लोकप्रिय होना और लंबे समय तक आर्थिक रूप से सफल बने रहना दो अलग बातें हैं। डिजिटल दुनिया में लोकप्रियता का चक्र बहुत तेजी से बदलता है। सबसे बड़ी चुनौती इसकी अनिश्चितता है। यहाँ सफलता केवल प्रतिभा पर निर्भर नहीं करती, बल्कि एल्गोरिदम, विज्ञापन नीतियों, कॉपीराइट नियमों, तकनीकी बदलावों और दर्शकों की बदलती रुचियों पर भी निर्भर करती है। एक एल्गोरिदमिक परिवर्तन लाखों फॉलोअर्स वाले अकाउंट की पहुँच घटा सकता है। किसी नीति परिवर्तन से आय प्रभावित हो सकती है और तकनीकी त्रुटि वर्षों की मेहनत पर पानी फेर सकती है। ऐसी अनिश्चितता दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा का आधार नहीं बन सकती। इसके विपरीत वास्तविक कौशल कहीं अधिक स्थायी होता है। चिकित्सक की चिकित्सा-योग्यता, शिक्षक का ज्ञान, इंजीनियर की तकनीकी दक्षता, वकील का अनुभव, किसान की विशेषज्ञता या किसी प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन और मशीन ऑपरेटर का व्यावसायिक कौशल किसी डिजिटल प्लेटफॉर्म का मोहताज नहीं होता। तकनीक बदल सकती है, लेकिन वास्तविक कौशल की आवश्यकता कभी समाप्त नहीं होती। चिंता की बात यह है कि अनेक युवा पढ़ाई से अधिक समय रील बनाने, ट्रेंड खोजने और फॉलोअर्स बढ़ाने में लगा रहे हैं। विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी कई विद्यार्थी परीक्षा से अधिक अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल की चिंता करते दिखाई देते हैं। जीवन के प्रारंभिक वर्षों में अर्जित ज्ञान और कौशल ही भविष्य की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं।

सभ्यता और संस्कार का अटूट संबंध

''सभ्यता मनुष्य के बाहरी व्यवहार को सँवारती है, जबकि संस्कार उसके अंतर्मन को प्रकाशित करते हैं।'' मनुष्य को अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाने वाले अनेक गुण हैं, जिनमें सभ्यता और संस्कार का विशेष स्थान है। ये दोनों ऐसे आधार स्तंभ हैं, जिन पर एक श्रेष्ठ व्यक्ति, सुदृढ़ परिवार और आदर्श समाज का निर्माण होता है। सभ्यता और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि सभ्यता शरीर है तो संस्कार उसकी आत्मा हैं। केवल बाहरी शिष्टाचार से कोई व्यक्ति महान नहीं बन सकता और केवल अच्छे विचार भी तब तक अधूरे हैं, जब तक वे व्यवहार में न उतरें। सभ्यता का अर्थ केवल आधुनिक पहनावा, भव्य भवन, तकनीकी विकास या आर्थिक समृद्धि नहीं है। सच्ची सभ्यता का अर्थ है–विनम्र व्यवहार, दूसरों का सम्मान, अनुशासन, शिष्टाचार, सहिष्णुता, स्वच्छता और सामाजिक उत्तरदायित्व। दूसरी ओर संस्कार वे नैतिक और आध्यात्मिक मूल्य हैं, जो मनुष्य को सत्य, ईमानदारी, करुणा, सेवा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और मानवता का मार्ग दिखाते हैं। संस्कारों की पहली पाठशाला परिवार होता है। माता-पिता, दादा-दादी और परिवार के वरिष्ठ सदस्य अपने आचरण से बच्चों को जीवन जीने की कला सिखाते हैं। बच्चों को सत्य बोलना, बड़ों का सम्मान करना, छोटों से प्रेम करना, समय का सदुपयोग करना और दूसरों की सहायता करना परिवार से ही सीखने को मिलता है। विद्यालय इन संस्कारों

को शिक्षा और अनुशासन के माध्यम से और अधिक मजबूत बनाता है। गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि चरित्र निर्माण का कार्य भी करते हैं। आज विज्ञान और तकनीक के युग में मनुष्य ने अभूतपूर्व प्रगति की है। जीवन सुविधाजनक हुआ है, लेकिन इसके साथ-साथ नैतिक मूल्यों का ह्रास भी चिंता का विषय है। भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में यदि संस्कार पीछे छूट जाएँ, तो सभ्यता केवल दिखावा बनकर रह जाती है। इसलिए आवश्यक है कि आधुनिकता को अपनाते हुए भी अपनी सांस्कृतिक विरासत और नैतिक मूल्यों को सुरक्षित रखा जाए। सभ्यता का वास्तविक स्वरूप हमारे दैनिक जीवन में दिखाई देता है। सड़क पर यातायात नियमों का पालन करना, सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखना, महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों का सम्मान करना, पर्यावरण की रक्षा करना, सामाजिक समरसता बनाए रखना तथा मतभेद होने पर भी शालीन भाषा का प्रयोग करना–ये सभी सभ्यता के परिचायक हैं। इन व्यवहारों के पीछे संस्कारों की शक्ति कार्य करती है। भारतीय संस्कृति ने सदैव संस्कारों को सर्वोच्च महत्व दिया है। ''मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, आचार्य देवो भव, अतिथि देवो भव'' जैसे आदर्श केवल कथन नहीं, बल्कि जीवन जीने की दिशा हैं। हमारी संस्कृति ने विश्व को प्रेम, अहिंसा, सहिष्णुता और ''वसुधैव कुटुम्बकम'' का संदेश दिया है। यही संस्कार भारतीय सभ्यता को विश्व में विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि बच्चों को केवल प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर की तैयारी ही नहीं, बल्कि नैतिक शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों का भी प्रशिक्षण दिया जाए। यदि परिवार, विद्यालय, समाज और मीडिया मिलकर संस्कारों के संवर्धन का कार्य करें, तो आने वाली पीढ़ियाँ केवल सफल ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक भी बनेंगी। एक सभ्य समाज वही है जहाँ व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी ईमानदारी से पालन करे। जहाँ सम्मान, सहयोग, सहानुभूति और सद्भाव जीवन का हिस्सा हों। ऐसे समाज की नींव संस्कारों पर ही टिकती है। निष्कर्षतः, सभ्यता और संस्कार का संबंध अटूट है। सभ्यता हमारे व्यवहार को सुंदर बनाती है और संस्कार हमारे चरित्र को महान। जब ये दोनों साथ चलते हैं, तभी व्यक्ति सम्मानित, समाज संगठित और राष्ट्र समृद्ध बनता है। आइए, हम स्वयं भी सभ्य आचरण अपनाएँ, श्रेष्ठ संस्कारों को अपने जीवन में उतारें और आने वाली पीढ़ी को ऐसा वातावरण दें, जिससे वे केवल सफल नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में अच्छे और आदर्श नागरिक बन सकें। यही एक उज्ज्वल, सशक्त और संस्कारित भारत की आधारशिला है। अनिल माथुरः ज्वाला-विहार, जोधपुर।

चातुर्मास हेतु नवागढ़ में मुनि संघ का भव्य मंगल प्रवेश

भगवान श्रीराम के आदर्श अपनाने से ही बनेगा श्रेष्ठ समाज : मुनि श्री मंगलानंदसागर जी महाराज

संस्कार, संयम और सेवा को बताया सच्चे धर्म की पहचान, नशामुक्त जीवन का दिया संदेश

ललितपुर. शाबाश इंडिया

प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ जी स्थित भगवान श्री अरनाथ स्वामी के अतिशय सम्पन्न एवं विश्व के एकमात्र दिव्य दरबार में परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री सरलसागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य पूज्य मुनि श्री मंगलानंदसागर जी महाराज एवं मुनि श्री मंगलसागर जी महाराज का चातुर्मास हेतु भव्य एवं मंगलमय प्रवेश श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। मुनि संघ के मंगल प्रवेश का आयोजन बाल ब्रह्मचारी प्रतिष्ठाचार्य जय कुमार 'निशांत' के निर्देशन तथा श्री नवागढ़ अतिशय क्षेत्र समिति एवं श्री नवागढ़ गुरुकुलम् ट्रस्ट के तत्वावधान में हुआ। पूज्य मुनि संघ की अगवानी के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंगल प्रवेश के अवसर पर समस्त ग्रामवासी, क्षेत्रवासी एवं दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं की विशाल उपस्थिति रही। पूरे नवागढ़ में उत्सव जैसा वातावरण दिखाई दिया। घर-घर आकर्षक रंगोलियां सजाई गईं तथा महिलाओं ने मंगल कलश लेकर पारंपरिक रीति से मुनि संघ का स्वागत किया। प्रचार मंत्री डॉ. सुनील 'संचय' ने बताया कि नवागढ़ गुरुकुलम् के विद्यार्थियों ने दिव्य घोष, मंगलगान एवं जयघोष के साथ मुनि संघ का अभिनंदन किया, जिससे पूरा वातावरण धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा। ढोल-नगाड़ों की गूंज, मंगल गीतों एवं जयघोष से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। इस अवसर पर बुंदेलखंड की समृद्ध लोक संस्कृति भी आकर्षण का केंद्र रही। मोनिया पार्टी, दलदल घोड़ी, भजन मंडली, ढपला पार्टी तथा ढिमराया सारंगी पार्टी की मनोहारी प्रस्तुतियों ने समारोह को ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बना दिया। कार्यक्रम में ब्रह्मचारी जय कुमार 'निशांत' ने नवागढ़ अतिशय क्षेत्र का परिचय कराया, जबकि सुनील वेद ने पूज्य गुरुदेव के श्रीचरणों में भावपूर्ण वाणी-अंजलि अर्पित कर गुरुभक्ति व्यक्त की। मुनिश्री के उद्बोधन से पूर्व नवागढ़ गुरुकुलम् के विद्यार्थियों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। अपने मंगल प्रवचन में पूज्य मुनि श्री मंगलानंदसागर जी महाराज ने कहा कि यदि हमें भगवान श्रीराम जैसा आदर्श जीवन जीना है, तो उनके आदर्शों एवं आचरण को भी अपने जीवन में उतारना होगा। उन्होंने समाज से गुटखा, तंबाकू, शराब तथा सभी प्रकार के नशों का त्याग करने का आह्वान करते हुए मानवता, करुणा, सदाचार और नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। मुनि श्री मंगलसागर जी महाराज ने कहा कि सच्चा धर्म वही है, जो व्यक्ति के जीवन में संस्कार, संयम और सेवा की भावना जागृत करे। उनके प्रेरणादायी उद्बोधन से श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। समारोह में थानाध्यक्ष सोजना सुधाकर पांडे, ग्राम प्रधान रामनारायण यादव, ब्लॉक अध्यक्ष संतोष यादव, श्रेष्ठी निर्मल घुवारा, श्री नवागढ़ अतिशय क्षेत्र समिति एवं नवागढ़ गुरुकुलम् ट्रस्ट के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मुनि संघ के दर्शन, वंदना एवं प्रवचन का लाभ प्राप्त किया। मंगल प्रवेश के उपरांत समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों ने पूज्य मुनि श्री मंगलानंदसागर जी महाराज एवं मुनि श्री मंगलसागर जी महाराज के श्रीचरणों में श्रीफल अर्पित कर नवागढ़ में ही चातुर्मास संपन्न करने का भावपूर्ण निवेदन किया, ताकि श्रद्धालुओं को चार माह तक उनके सान्निध्य एवं अमृतमय प्रवचनों का लाभ प्राप्त हो सके। कार्यक्रम का संचालन श्री नवागढ़ अतिशय क्षेत्र समिति के महामंत्री वीरचंद्र जैन (पूर्व प्रधान) ने किया। ब्रह्मचारी जय कुमार 'निशांत' ने बताया कि चातुर्मास अवधि के दौरान प्रत्येक रविवार प्रातः 9:00 बजे एवं अपराह्न 3:00 बजे पूज्य मुनिश्री के विशेष मंगल प्रवचन एवं आशीर्वचन आयोजित किए जाएंगे।

निवाई में 19 जुलाई को होगा आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ का भव्य मंगल पदार्पण

22 पिच्छिकाओं के साथ होगा प्रवेश, चातुर्मास के दौरान चार माह तक बहेगी आध्यात्मिक साधना की गंगा

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में तपस्वी सम्राट आचार्य सन्मति सागर महाराज के शिष्य आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ का 22 पिच्छिकाओं के साथ रविवार, 19 जुलाई 2026 को निवाई में भव्य मंगल पदार्पण होगा। आचार्य श्री के चातुर्मास को लेकर शहर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं और पूरे नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि आचार्य श्री का चातुर्मास वर्ष 2026 में निवाई में संपन्न होगा। मंगल प्रवेश के स्वागत के लिए नगर में विभिन्न स्थानों पर आकर्षक तोरणद्वार सजाए गए हैं। श्रद्धालु जगह-जगह आचार्य श्री का पादप्रक्षालन कर उनका भावभीना स्वागत करेंगे। उन्होंने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ 16 जुलाई को मंगल विहार करते हुए

माधोराजपुरा, सेदरिया एवं चतुर्भुजपुरा से होकर 18 जुलाई को बनस्थली पहुंचेगा, जहां बनस्थली एवं निवाई जैन समाज द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके उपरांत 19 जुलाई को गाजे-बाजे और जयघोष के साथ आचार्य श्री का निवाई में मंगल प्रवेश होगा। आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ में 9 मुनिराज, 4 आर्यिका माताजी, 5 क्षुल्लक तथा 4 क्षुल्लिका सहित कुल 22 पिच्छिकाएं हैं। इसके अतिरिक्त संघ के साथ 7 ब्रह्मचारी एवं ब्रह्मचारिणियां भी विहार कर रही हैं। प्रवक्ताओं ने बताया कि वषायोग को लेकर निवाई सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। चातुर्मास के चार माह के दौरान श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक साधना, आत्मचिंतन एवं धमार्राधना का दुर्लभ अवसर प्राप्त होगा। इस अवधि में पर्यूषण पर्व, दशलक्षण महापर्व, अष्टान्हिका पर्व, प्रतिदिन धर्मवाचना, सायंकाल जिज्ञासा समाधान, धार्मिक अनुष्ठान एवं अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। जैन समाज के अध्यक्ष नेमीचंद गंगवाल, मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, अग्रवाल जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष सुशील जैन, अग्रवाल समाज अध्यक्ष विष्णु बोहरा, सरावगी समाज अध्यक्ष शिखरचंद काला, अग्रवाल समाज चौरासी ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र चंवरिया, दिगम्बर जैन युवा परिषद अध्यक्ष सुनील भाणजा तथा अखिल भारतीय जैन धर्म प्रचारक विमल पाटनी जौंला ने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ के चातुर्मास से निवाई में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण सुदृढ़ होगा तथा चार माह तक श्रद्धालुओं में आत्मसाधना, संयम और धर्म के प्रति नई ऊर्जा का संचार होगा।

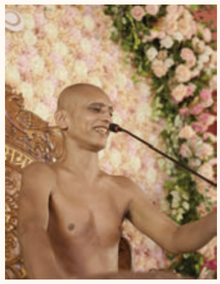

विकसित भारत यूथ कनेक्ट-2026 में युवाओं ने लिया नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प

450 से अधिक युवाओं ने राष्ट्र निर्माण, युवा नेतृत्व और सामाजिक जागरूकता का लिया संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) तथा माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय (स्वायत्तशासी), जयपुर में ''विकसित भारत यूथ कनेक्ट कार्यक्रम-2026 (नशा मुक्त युवा)'' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 32 महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के लगभग 450 युवाओं, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों, स्वयंसेवकों, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं तथा यूथ एम्बेसेडर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जयपुर शहर की सांसद मंजू शर्मा ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त, जागरूक एवं संस्कारित युवा ही

विकसित भारत की मजबूत नींव रख सकते हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रेणु जोशी ने कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की मेजबानी करना संस्थान के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने तथा समाज में जनजागरूकता फैलाकर स्वस्थ, जिम्मेदार एवं राष्ट्रहित के प्रति समर्पित नागरिक बनने का आह्वान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना, राजस्थान के क्षेत्रीय निदेशक एस.पी. भटनागर ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़ना, उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना तथा नशा मुक्त भारत अभियान का सक्रिय सहभागी बनाना है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति के सकारात्मक योगदान से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा। कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय, राजस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य समन्वयक डॉ. के.के. कुमावत ने राज्य के 354 महाविद्यालयों में संचालित राज्यव्यापी ''नई किरण'' नशा मुक्ति अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान युवाओं को नशे से दूर रखने और स्वस्थ समाज के निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा रहा है। यूथ आइकॉन अंकित शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान का परिवर्तनकर्ता है। उन्होंने कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के ''युवा कनेक्ट'' कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''नशा मुक्त भारत'' अभियान को जनआंदोलन बनाना प्रत्येक युवा का दायित्व है। उन्होंने युवाओं से प्रधानमंत्री के ''पाँच प्रण'' एवं ''11 संकल्प'' को जीवन में आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड स्थानीय संघ बागीदौरा की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

गत वर्ष की गतिविधियों की समीक्षा, नए सत्र की कार्ययोजना पर हुई चर्चा

बागीदौरा. शाबाश इंडिया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड स्थानीय संघ, बागीदौरा की कार्यकारिणी बैठक स्काउट भवन में आयोजित हुई। बैठक में वर्ष 2025 की गतिविधियों की समीक्षा के साथ सत्र 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना एवं विभिन्न स्काउटिंग गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के मुख्य अतिथि अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार दोसी थे। अध्यक्षता उप प्रधान हरीश उपाध्याय ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (द्वितीय) हरेंद्र जोशी, प्रधानाचार्य मनोज जोशी, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य जगजी भाई कटारा तथा समन्वयक अश्विनी कुमार जोशी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्काउट प्रार्थना ''दया कर दान भक्ति'' के साथ हुआ। स्थानीय संघ के सचिव दिनेश चरपोटा ने अतिथियों का स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया तथा सभी अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर सम्मान किया। बैठक में पंजीकृत विद्यालयों के ग्रुप निरीक्षण, तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर, राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता, वृक्षारोपण अभियान, स्थानीय संघ के वार्षिक अधिवेशन तथा जिला परिषद अधिवेशन सहित विभिन्न विषयों पर

विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान जानकारी दी गई कि आगामी अगस्त माह में राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड का चतुर्थ जिला परिषद अधिवेशन स्थानीय संघ बागीदौरा की मेजबानी में आयोजित होगा। अधिवेशन को सफल बनाने के लिए तैयारियां शीघ्र प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। कोषाध्यक्ष नरेंद्र जोशी ने वर्ष 2025 का आय-व्यय विवरण सदन के समक्ष प्रस्तुत किया, जबकि सहसचिव सुरेशचंद्र गांधी ने गत सत्र का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक के उपरांत अतिथियों ने स्काउट भवन परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार दोसी ने कहा कि राज्य सरकार के ''एक पेड़ मां के नाम'' एवं ''हरित राजस्थान'' अभियान के तहत प्रत्येक विद्यालय में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जाएगा। बैठक में विजेंद्र व्यास, जे.पी. गरासिया, शिवलाल गरासिया, आनंद सिंह गरासिया सहित स्थानीय संघ के अनेक स्काउटर एवं गाइडर उपस्थित रहे।

आचार्य विशद सागर जी के प्रवास में मुनि विशाल सागर जी ने 12 घंटे पद्मासन में साधना की

भक्तामर अनुष्ठान, तपस्या और धार्मिक आयोजनों से भक्तिमय बना श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, एसएफएस राजावत फार्म में आचार्य श्री विशद सागर जी महाराज के 10 जुलाई 2026 से चल रहे प्रवास के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम श्रद्धा एवं भक्ति के साथ आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में तपस्वी मुनि 108 श्री विशाल सागर जी महाराज ने शुक्रवार को भगवान पार्श्वनाथ की वेदी के समक्ष सायं 7:00 बजे से प्रातः 7:00 बजे तक लगातार 12 घंटे पद्मासन मुद्रा में एकाग्रचित होकर तप एवं साधना की, जिसने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक साधना का प्रेरक संदेश दिया। प्रवास के दौरान रात्रि में 48 दीपकों से भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन मुनि भक्त श्री मनीष चौधरी के सहयोग से भक्तिभाव एवं उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति, साधना और आराधना का वातावरण बना रहा। महामंत्री सौभागमल जैन ने बताया कि मंदिर के अभिषेक ग्रुप के सहयोग से आयोजित भक्तामर अनुष्ठान में समाज के अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में सिद्धार्थ नगर के अध्यक्ष महावीर रावका, डॉ. राजेश जैन, ज्वैलरी व्यवसायी विनय सोगानी, चित्रकूट कॉलोनी से दीपक बोहरा सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष कमलेशचंद जैन, मंत्री कुणाल काला, संगठन मंत्री रजनीकांत, प्रचार मंत्री सुरेंद्र पाटनी, महिला मंडल अध्यक्ष उर्मिला पाटनी एवं मंत्री आशा बाकलीवाल ने अतिथियों का तिलक, माल्यार्पण एवं दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान सिद्धार्थ नगर कार्यकारिणी समिति द्वारा सम्मेद शिखर वंदना के पोस्टर का विमोचन भी आचार्य संघ के सान्निध्य में किया गया तथा इस अवसर पर आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। महामंत्री ने बताया कि शनिवार प्रातः अभिषेक एवं शांतिधारा के उपरांत आचार्य संघ का विहार भव्य शोभायात्रा के साथ रीको काटा स्थित प्रवीण पाटनी एवं नवीन पाटनी परिवार के निवास के लिए हुआ। वहां आचार्य श्री के मंगल प्रवचन, संपूर्ण संघ के आहार तथा आचार्य श्री द्वारा रचित नवीन विधान की संगीतमय पूजा आयोजित की गई। इस अवसर पर चित्रकूट कॉलोनी के श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री को चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट कर विनम्र निवेदन किया। आचार्य श्री ने 18 जुलाई 2026 को प्रातः 6:30 बजे श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, एसएफएस राजावत फार्म से भव्य जुलूस के साथ विहार करने की घोषणा की। यह घोषणा होते ही श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ हर्ष व्यक्त किया।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की सत्र 2026-27 की प्रथम मासिक बैठक संपन्न

पर्यावरण संरक्षण और लहरिया उत्सव थीम पर आयोजित हुई बैठक, किचन गार्डन के लिए वितरित किए गए बीज

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की सत्र 2026-27 की प्रथम मासिक बैठक शुक्रवार को महावीर नगर स्थित नमोकार रेस्टोरेंट में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ ध्वज वंदना, विश्व शांति के लिए दो मिनट के मौन तथा राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस बार की बैठक का आयोजन पर्यावरण संरक्षण एवं लहरिया उत्सव थीम पर किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन राधारानी मित्तल ने अपने कार्यकाल की पहली बैठक में पूरे सत्र के दौरान आयोजित किए जाने वाले सेवा एवं सामाजिक कार्यों की रूपरेखा उत्साहपूर्वक प्रस्तुत की। उनकी कार्ययोजना का सभी सदस्याओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत करते हुए पूरे वर्ष तन, मन और धन से सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया। क्लब सचिव लायन सावित्री शर्मा ने 1 जुलाई से 16 जुलाई तक क्लब द्वारा आयोजित सेवा गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। क्लब की संस्थापक लायन महादेवी आर्य ने सदस्याओं का उत्साहवर्धन करते हुए सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। बैठक में क्लब की पूर्व अध्यक्ष लायन रानी पाटनी को सत्र 2026-27 के लिए जोन चेयरपर्सन नियुक्त होने पर सम्मानित किया गया। उन्होंने रीजन एवं जोन स्तर की गतिविधियों की जानकारी साझा करते हुए क्लब की सदस्याओं को प्रेरित किया। पर्यावरण संरक्षण थीम के अंतर्गत सभी सदस्याओं का स्वागत करते हुए उन्हें किचन गार्डन विकसित करने के लिए नींबू, भिंडी, टमाटर, फली, लौकी सहित विभिन्न सब्जियों के बीज वितरित किए गए, ताकि वे अपने घरों में जैविक (ऑर्गेनिक) सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित कर सकें। बैठक में लहरिया थीम के अनुरूप पारंपरिक परिधानों में सजी सदस्याओं ने सावन गीतों, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्सव का आनंद लिया। बिन बरसात भी सावन की उमंग और उल्लास का माहौल देखने को मिला। सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित यह बैठक आगामी सत्र की गतिविधियों के लिए नई ऊर्जा और सकारात्मक संकल्प के साथ संपन्न हुई।

सखी गुलाबी नगरी ने श्री महावीर विकलांग संस्था में किया मानव सेवा कार्य : जरूरतमंदों को व्हीलचेयर व भोजन वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया

सामाजिक संस्था 'सखी गुलाबी नगरी' द्वारा मालवीय नगर स्थित श्री महावीर विकलांग संस्था समिति में एक विशेष सामाजिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुनीत अवसर पर भामाशाहों (दानदाताओं) के सहयोग से जरूरतमंदों व दिव्यांगों को व्हीलचेयर भेंट की गई और मरीजों को भोजन कराया गया।

दानदाताओं ने दिया विशेष सहयोग

संस्था के संस्थापक अध्यक्ष की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, इस मानव सेवा कार्य में पुण्यार्जक परिवार ताराचंद और श्मैना देवी पाटनी हावड़ा, की ओर से एक व्हीलचेयर भेंट की गई तथा मरीजों व जरूरतमंद लोगों को भोजन करवाया गया। वहीं, एक अन्य पुण्यार्जक परिवार सुनीता और सुधीरजैन की ओर से एक व्हीलचेयर भेंट की गई।

सम्मान समारोह एवं उपस्थित पदाधिकारी

कार्यक्रम के दौरान संस्था की अध्यक्ष सुषमा ने बताया की पुण्यार्जक ताराचंद - मैना देवी पाटनी तथा सुनीता - सुधीर जैन का माला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया। इस गरिमामयी अवसर पर संस्था की कोषाध्यक्ष सरोज जैन, ग्रीटिंग कार्ड कोर्डिनेटर दिव्या, कार्यकारिणी सदस्य मोनिका और अनिला सहित कई सदस्याएं उपस्थित रहीं और अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प

कार्यक्रम के अंत में, संस्था के पदाधिकारियों ने उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों व दानदाताओं का हृदय से आभार एवं

धन्यवाद व्यक्त किया। पदाधिकारियों ने कहा कि सभी की उपस्थिति, सहयोग एवं सेवा भावना से ही यह कार्यक्रम सफल हो सका है। आप सभी के सहयोग से सखी गुलाबी नगरी निरंतर सेवा एवं सामाजिक कार्यों की ओर अग्रसर है और भविष्य में भी समाज सेवा के यह कार्य अनवरत जारी रहेंगे।

भक्तामर स्तोत्र आध्यात्मिक चेतना और सकारात्मक ऊर्जा का अक्षय स्रोत : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

रविवार को शांतिभवन में होगा युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी का चातुर्मास मंगलप्रवेश

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। श्रमण संघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी महाराज ने कहा कि भक्तामर स्तोत्र की ध्वनि-तरंगें सकारात्मक ऊर्जा का आभामंडल निर्मित कर व्यक्ति की रचनात्मक शक्तियों को जागृत करती हैं। इसकी प्रत्येक गाथा से उत्पन्न ध्वनि-स्पंदन आत्मबल को सुदृढ़ करने के साथ नकारात्मक प्रवृत्तियों को क्षीण करने में सहायक होते हैं। वर्धमान कॉलोनी स्थित अम्बेश स्वाध्याय भवन में आयोजित भक्तामर स्तोत्र के सामूहिक जाप के दौरान युवाचार्यश्री ने भक्तामर पर हुए विभिन्न शोधों का उल्लेख करते हुए कहा कि आचार्य मानतुंग विरचित भक्तामर स्तोत्र, जिसे आदिनाथ स्तोत्र भी कहा जाता है, जैन वाङ्मय की कालजयी कृति है। यह केवल आराधना का ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन के विविध आयामों का समग्र साधना-सूत्र है। इसमें स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, आत्मबल, पारिवारिक मंगल एवं आध्यात्मिक उन्नयन जैसे अनेक जीवनोपयोगी तत्व समाहित हैं। प्रत्येक गाथा का अपना महत्व है, किंतु सम्पूर्ण स्तोत्र का सामूहिक पाठ अधिक व्यापक आध्यात्मिक प्रभाव उत्पन्न करता है। उन्होंने कहा कि भक्तामर स्तोत्र वसंततिलका छंद में रचित है। इसकी लय, स्वर-विन्यास एवं शब्द-संरचना साधक के मन और चेतना पर गहरा प्रभाव डालती है। पुणे चातुर्मास के दौरान भक्तामर पर शोध करने वाले एक शोधकर्ता से हुई चर्चा का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि प्रत्येक गाथा से उत्पन्न ध्वनि-तरंगें सकारात्मक आभामंडल के निर्माण में सहायक होती हैं। इनके प्रभाव से व्यक्ति की सकारात्मक वृत्तियां सशक्त होती हैं तथा नकारात्मक प्रवृत्तियां स्वतः क्षीण होने लगती हैं। युवाचार्यश्री ने कहा कि भक्तामर स्तोत्र की महिमा किसी एक परंपरा तक सीमित नहीं है। दिगंबर, श्वेतांबर, मूर्तिपूजक, स्थानकवासी और तेरापंथ सहित संपूर्ण जैन परंपरा में इसे समान श्रद्धा और आस्था के साथ पढ़ा जाता है। विभिन्न परंपराओं में गाथाओं की संख्या भिन्न हो सकती है, किंतु इसकी आध्यात्मिक प्रभावशीलता और स्वीकार्यता सर्वमान्य है। उन्होंने श्रद्धालुओं से भक्तामर स्तोत्र का नियमित एवं शुद्ध उच्चारण के साथ अभ्यास करने का आह्वान करते हुए कहा कि संस्कृत कठिन नहीं, बल्कि अभ्यास की भाषा है। निरंतर अभ्यास से उच्चारण सहज हो जाता है और तभी स्तोत्र की भाव-शक्ति तथा आध्यात्मिक अनुभूति का वास्तविक लाभ प्राप्त होता है। युवाचार्यश्री ने कहा कि स्वाध्याय और आराधना का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति के भीतर संयम, सकारात्मक दृष्टि, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक संस्कारों का विकास करना है। भक्तामर स्तोत्र आत्मपरिष्कार की ऐसी सशक्त साधना है, जो व्यक्ति को भीतर से सुदृढ़ बनाती है। सामूहिक जाप में अम्बेश स्वाध्याय भवन के अध्यक्ष नवरतन सूरिया, मुकेश आंचलिया, राजेन्द्र मेहता, सुरेश नानेचा, पंकज पीपड़ा, पुष्पेन्द्र सुराणा, सुधीर खाब्या, जयप्रकाश आंचलिया तथा चंदनबाला महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू खटवड़ सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। शांतिभवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि श्रमण संघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी, संतवृंद एवं साध्वीवृंद का चातुर्मास मंगलप्रवेश रविवार प्रातः 7:30 बजे वर्धमान कॉलोनी स्थित अम्बेश स्वाध्याय भवन से भव्य शोभायात्रा के साथ प्रारंभ होगा। शोभायात्रा माणिक्य नगर, महाराणा टॉकीज, नेताजी सुभाष मार्केट सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर शांतिभवन पहुंचेगी, जहां चातुर्मास मंगलप्रवेश के उपरांत अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चातुर्मास मंगलप्रवेश एवं अभिनंदन समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से सैकड़ों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

रेडिसन ब्लू होटल में रक्तदान शिविर आयोजित, 24 यूनिट रक्त संग्रहित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री गोपाल कृष्ण सेवा समिति एवं स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार, 17 जुलाई को दुर्गापुरा, टोंक रोड स्थित होटल रेडिसन ब्लू में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। होटल की एचआर हेड श्रीमती प्रीति निरंकारी ने बताया कि शिविर में कर्मचारियों एवं अन्य रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान कुल 24 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के रक्तदान शिविर जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के साथ-साथ समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बाबा बर्फानी के दर्शन कर लौटे स्वर्णकार समाज के युवाओं का सांचौर में ऐतिहासिक स्वागत; ढोल-धमाकों और पुष्पवर्षा से हुआ अभिनंदन

स्वर्णकार व्यापार संघ एवं गौ सेवा समिति ने सांचौर पहुंचने पर किया भव्य बहुमान, बांटे पेड़े; देश-प्रदेश की खुशहाली की मांगी कामना

सांचौर (मुकेश सोलंकी)। पवित्र तीर्थ स्थल अमरनाथ यात्रा की दुर्गम और अलौकिक यात्रा सकुशल पूर्ण कर गृह नगर सांचौर लौटने पर स्वर्णकार समाज के सात जांबाज युवाओं का क्षेत्र में ऐतिहासिक और भव्य स्वागत किया गया। बाबा बर्फानी के दर्शन कर लौटे भावेश सोनी, प्रदीप सोनी, सुरेश सोनी, राहुल सोनी, हितेश सोनी, विक्रम सोनी एवं दिलीप सोनी के सांचौर आगमन पर पूरा समाज और व्यापार संघ उनके अभिनंदन के लिए उमड़ पड़ा। स्वर्णकार व्यापार संघ, सांचौर एवं स्वर्णकार गौ सेवा समिति, सांचौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मान समारोह में भक्ति और उत्साह का अनूठा माहौल देखने को मिला।

फूल-मालाओं से लादा, ढोल-नगाड़ों से गूंजा परिसर

यात्रा पूर्ण कर लौटे श्रद्धालुओं के सांचौर की सीमा में प्रवेश करते ही 'हर-हर महादेव' और 'जय बाबा बर्फानी' के गगनभेदी जयघोष गूंज उठे। स्वर्णकार व्यापार संघ के अध्यक्ष भीखचंद सोनी के नेतृत्व में समाज के वरिष्ठजनों, प्रबुद्ध नागरिकों और पदाधिकारियों ने सभी सात यात्रियों का साफा व पुष्पमालाएं पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। अध्यक्ष भीखचंद सोनी ने कहा कि अमरनाथ की यात्रा अत्यंत कठिन और परीक्षा लेने वाली होती है। हमारे समाज के युवाओं ने सफलतापूर्वक इस यात्रा को पूर्ण कर सांचौर का मान बढ़ाया है। उन्होंने बाबा अमरनाथ से सभी यात्रियों के दीर्घायु व उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज के प्रस्तावित चातुर्मास की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

इंदौर में भव्य मंगल आगमन एवं ऐतिहासिक चातुर्मास-2026 को सफल बनाने का लिया संकल्प

इंदौर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य जिनशासन के राष्ट्रसंत मुनि पुंगव 108 श्री सुधा सागर जी महाराज के प्रस्तावित मंगल आगमन एवं वर्ष 2026 के भव्य चातुर्मास की तैयारियों को लेकर गुरुवार रात्रि मोदीजी की नसिया, बड़ा गणपति में सकल दिगम्बर जैन समाज की महत्वपूर्ण बैठक उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में गुरुदेव के भव्य स्वागत, विहार, चातुर्मास एवं विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा कर आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन 'दद्दू' ने बताया कि बैठक में संपूर्ण जैन समाज की अभूतपूर्व एकजुटता देखने को मिली। धर्मसभा में इंदौर दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद के सभासद, समाज के वरिष्ठजन, विभिन्न जिनालयों के अध्यक्ष, मंत्री एवं प्रतिनिधि, महिला मंडलों, युवा संगठनों, मुनि भक्त मंडलों तथा सकल दिगम्बर जैन समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित सभी वक्ताओं ने कहा कि मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज का इंदौर आगमन केवल शहर ही नहीं, बल्कि पूरे मालवा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण अवसर होगा। समाज के सभी वर्ग इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे। बैठक में एम.के. जैन एवं श्रीमती पुष्पा प्रदीप कासलीवाल के संरक्षण तथा अमित कासलीवाल, आनंद गोधा, नवीन गोधा एवं दिलीप पाटनी के मार्गदर्शन में स्वागत, विहार, आवास, समाज सहभागिता तथा अन्य व्यवस्थाओं की विस्तृत योजना पर चर्चा की गई। विभिन्न समितियों के गठन एवं उनके दायित्वों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी, इंदौर समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष आनंद गोधा, नवीन गोधा, हर्ष जैन, संदीप जैन, सुनीता जैन (मोरया सरिया), विजय पाटोदी, प्रतिपाल टोंग्या, राजेश जैन 'दद्दू', आकाश पंड्या, होलास सोनी, सुशील पांड्या, प्रांशु जैन, उषा पाटनी, साधना दगड़े, मुक्ता जैन, मोदीजी की नसिया के ट्रस्टीगण, शेखर छाबड़ा, अंजय मित्तल, कमल जैन, भूपेंद्र जैन, मधुर जैन, सुनील गोधा, जयदीप जैन, अनूप गांधी, रेखा टोंग्या, कमल काला, रेखा संजय जैन एवं निधि जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। बैठक का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि इंदौर नगर मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के मंगल आगमन एवं चातुर्मास-2026 को भव्य, ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बनाएगा। साथ ही समाज के सभी वर्गों से तन, मन और धन से सहयोग करते हुए आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में संगठन, संस्कार, सेवा एवं समर्पण की भावना को सुदृढ़ करते हैं तथा नई पीढ़ी को धर्म और संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनते हैं।

मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज संघ का मक्सी तीर्थ में प्रथम मंगल प्रवेश

मंगल देशना, ध्वजारोहण एवं अभिषेक के साथ श्रद्धा-भक्ति का अनुपम संगम

इंदौर/मक्सी. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक अनियतविहारी शिष्य, जगत पूज्य, तीर्थ चक्रवर्ती, मुनि पुंगव एवं निर्यापक पूज्य श्री 108 सुधासागर जी महामुनिराज ससंघ का पहली बार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री मक्सी पार्श्वनाथ तीर्थ में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन एवं रीजन ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित इस ऐतिहासिक अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राजेश जैन 'दद्दू' ने बताया कि इंदौर की ओर विहार करते हुए गुरुदेव का संघ शुक्रवार, 17 जुलाई 2026 को प्रातः 7:30 बजे श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री मक्सी पार्श्वनाथ तीर्थ पहुंचा, जहां श्रद्धालुओं ने जयघोष एवं भक्ति भाव के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर पूज्य गुरुदेव की मंगल देशना के साथ चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन क्षेत्र की न्यासी श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, अमित कासलीवाल, फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी, बाहुबली पांड्या, कीर्ति पांड्या, कमलेश कासलीवाल, राकेश विनायका तथा आनंद गोधा एवं नवीन गोधा के करकमलों से संपन्न हुआ। तीर्थ क्षेत्र पर ध्वजारोहण का सौभाग्य विजय पाटोदी को प्राप्त हुआ। वहीं प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य श्रीमती पुष्पा प्रदीप कासलीवाल, अमित कासलीवाल एवं आदित्य कासलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। परम पूज्य मुनि श्री सुधासागर जी महाराज के पादप्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का सौभाग्य हर्ष जैन एवं तृप्ति जैन को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी, इंदौर रीजन अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, संजय पापड़ीवाल, संजय अहिंसा, रितेश पाटनी, वितुल अजमेरा, भूपेंद्र जैन, विपुल बाजलां सहित इंदौर, उज्जैन, देवास एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाजश्रेष्ठी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अर्पित वाणी ने किया।

आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज की रविवार को होगी भीलवाड़ा में मंगलमय पधारावणी

भव्य शोभायात्रा के साथ होगा "विश्व शांति कल्याण" चातुर्मास का शुभारंभ

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय, शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगद्गुरु आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज के वर्ष 2026 के पावन ''विश्व शांति कल्याण'' चातुर्मास का शुभारंभ रविवार, 19 जुलाई को भीलवाड़ा में उनके मंगलमय पधारावणी के साथ होगा। लगभग दस वर्ष बाद भीलवाड़ा के माणिक्यनगर रामद्वारा में आयोजित हो रहे इस चातुर्मास को लेकर सर्व समाज के श्रद्धालुओं में उत्साह का वातावरण है। विश्व शांति कल्याण चातुर्मास समिति के तत्वावधान में चातुर्मास को ऐतिहासिक एवं भव्य बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। आचार्यश्री की चातुर्मासिक पधारावणी रविवार प्रातः 8:30 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ होगी। शोभायात्रा प्रारंभ होने से पूर्व श्रद्धालु आचार्यश्री की भावपूर्ण अगवानी करेंगे। इसके बाद स्टेशन चौराहे पर शंखनाद एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंगलाचरण होगा तथा सर्व समाज की ओर से महाआरती के उपरांत शोभायात्रा प्रारंभ होगी। शोभायात्रा में सबसे आगे हाथी, घोड़े, ऊंट, छत्र-चंवर एवं शाही लवाजमा आकर्षण का केंद्र रहेंगे। मार्ग में 108 स्वागत द्वार सजाए जाएंगे तथा ड्रोन के माध्यम से पुष्पवर्षा की जाएगी। उज्जैन की प्रसिद्ध महाकाल आरती की प्रस्तुति देने वाला दल भी शोभायात्रा का विशेष आकर्षण रहेगा। संपूर्ण मार्ग को आकर्षक रंगोलियों से सजाया जाएगा। शोभायात्रा रेलवे स्टेशन रोड स्थित गजाधर मानसिंहका धर्मशाला से प्रारंभ होकर सरकारी दरवाजा, गोल प्याऊ, बालाजी मार्केट, सूचना केंद्र चौराहा, गांधी बाजार, भीमगंज थाना चौराहा तथा माणिक्यनगर होते हुए रामद्वारा पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा। देशभर से रामस्नेही संप्रदाय के श्रद्धालु इस शोभायात्रा में शामिल होंगे। शहर के विभिन्न स्थानों पर स्वागत द्वार, अभिनंदन होर्डिंग एवं बैनर लगाए गए हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर कार्यकताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं और सभी समितियां अपने दायित्वों के निर्वहन में जुटी हुई हैं।

चातुर्मास में होंगे विविध धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन

आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज के सान्निध्य में पूरे चातुर्मास के दौरान धर्म, भक्ति एवं सनातन संस्कृति पर आधारित अनेक आयोजन होंगे। प्रतिदिन प्रातः 5:00 से 6:00 बजे तक रामधुनी, 8:00 से 8:30 बजे तक वाणीजी का पाठ तथा 8:30 से 9:30 बजे तक प्रवचन होंगे। प्रतिदिन सूर्यास्त के समय संध्या आरती भी आयोजित की जाएगी। 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जाएगा। 13 से 20 सितंबर तक पूज्य वाणीजी प्रवचन प्रतिदिन प्रातः 8:30 से 11:30 बजे तक तथा भागवत ज्ञान महोत्सव दोपहर 2:00 से शाम 5:00 बजे तक आयोजित होगा। आचार्यश्री अवतरण महोत्सव के अंतर्गत 25 सितंबर को रात्रि 8:00 बजे आध्यात्मिक कार्यक्रम तथा 26 सितंबर को प्रातः 8:30 बजे अवतरण आनंदोत्सव आयोजित किया जाएगा। 15 अक्टूबर को पंचमी गोटकाजी की भव्य शोभायात्रा निकलेगी, जबकि 22 अक्टूबर को चातुर्मास का विधिवत समापन होगा।

मित्रता, उमंग और नारी शक्ति का महाउत्सव 2 अगस्त को

ह्यूमन ग्लोरी विमेंस क्लब आयोजित करेगा फ्रेंडशिप डे पर सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम

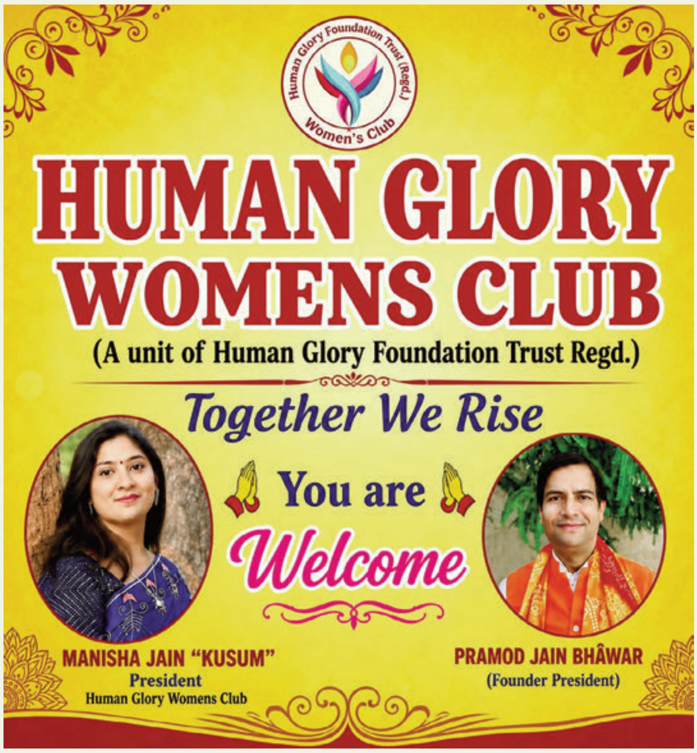

जयपुर. शाबाश इंडिया

ह्यूमन ग्लोरी विमेंस क्लब द्वारा फ्रेंडशिप डे के अवसर पर महिलाओं की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रविवार, 2 अगस्त 2026 को मानसरोवर स्थित जयश्री ज्वेलर्स, रजत पथ चौराहा में भव्य सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। संस्था की अध्यक्ष मनीषा जैन 'कुसुम' ने बताया कि आज की महिला केवल परिवार की शक्ति ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला भी है। इसी सोच के साथ महिलाओं को आगे बढ़ाने, उनकी रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने तथा आपसी मित्रता, सहयोग और आत्मीयता को मजबूत करने के उद्देश्य से इस विशेष आयोजन की परिकल्पना की गई है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में लहरिया थीम, मधुर संगीत, मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां, मनोरंजक खेल, फ्रेंडशिप सेलिब्रेशन, स्वादिष्ट जलपान तथा आकर्षक उपहार विशेष आकर्षण होंगे। यह आयोजन महिलाओं के लिए उल्लास, आत्मीयता और यादगार पलों से भरपूर एक विशेष उत्सव होगा। ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर ने कहा कि सशक्त महिला ही सशक्त परिवार, सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती है। ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, नए संबंध स्थापित करने तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी महिलाओं से इस आयोजन में अधिकाधिक संख्या में सहभागिता कर मित्रता, सौहार्द और नारी शक्ति के इस उत्सव को सफल बनाने का आह्वान किया।

गुरुदेव पुलकसागर महाराज की अगवानी के लिए आज चित्तौड़गढ़ पहुंचेंगे भीलवाड़ा के श्रद्धालु

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। धर्मनगरी भीलवाड़ा की पावन धरा पर पहली बार चातुर्मास करने आ रहे ओजस्वी प्रवचनकार एवं प्रख्यात राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य पूज्य गुरुदेव पुलकसागर जी महाराज शनिवार, 18 जुलाई को चित्तौड़गढ़ से विहार करते हुए भीलवाड़ा की ओर प्रस्थान करेंगे। उनके चातुर्मासिक मंगल प्रवेश की अगवानी के लिए भीलवाड़ा से बड़ी संख्या में श्रद्धालु चित्तौड़गढ़ पहुंचेंगे और धर्मध्वजा के साथ विहार यात्रा में सहभागी बनेंगे। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, संयोजक मनीष शाह एवं सह-संयोजक लोकेश अजमेरा के नेतृत्व में सैकड़ों श्रद्धालु गुरुदेव की अगवानी करेंगे। चित्तौड़गढ़ से भीलवाड़ा तक विहार मार्ग की संपूर्ण सेवा भीलवाड़ा के श्रद्धालु संभालेंगे तथा श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ गुरुदेव का स्वागत करते हुए उन्हें भीलवाड़ा लेकर आएंगे। विहार संयोजक रवि चौधरी, अभिषेक पटौदी, संदीप

बाकलीवाल, अनंत जैन एवं पारस वैद्य के नेतृत्व में 60 युवाओं की टोली चित्तौड़गढ़ से भीलवाड़ा तक विहार व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाएगी। विहार मार्ग पर भी विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन की तैयारियां की गई हैं। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट, मेन सेक्टर, शास्त्रीनगर के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास के लिए गुरुदेव पुलकसागर जी महाराज का 25 जुलाई को भीलवाड़ा में भव्य मंगल प्रवेश होगा। इस अवसर पर विशाल स्वागत शोभायात्रा एवं धार्मिक आयोजन किए जाएंगे।

श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया

सनातन धर्मशाला में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिवस कथा व्यास महंत श्री भरतमुनि उदासीन जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का अत्यंत भावपूर्ण एवं भक्तिमय वर्णन किया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का श्रवण करते ही पूरा पंडाल रनंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीर के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया। गुरुदेव महाराज ने बताया कि श्रीमद्भागवत का दशम स्कंध भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य एवं मधुर लीलाओं का हृदय है। इसमें भगवान के जन्म, पूतना वध, शकट भंजन, तृणावर्त उद्धार, बकासुर वध, अघासुर वध, ब्रह्माजी के मोह भंग, कालिय नाग दमन, यमुना को विषमुक्त करना, गोचारण तथा गोवर्धन धारण जैसी अनेक लीलाओं का वर्णन

है, जो मानव जीवन को धर्म, भक्ति और आनंद का संदेश प्रदान करती हैं। अपने प्रवचन में महंत श्री भरतमुनि उदासीन जी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में आनंद के अवतरण का प्रतीक है। जब मनुष्य अपने भीतर की तृष्णा, वासनाओं और अहंकार का त्याग करता है, तभी उसके जीवन में वास्तविक आनंद का प्रकाश होता है। उन्होंने कहा कि रजोगुण, तमोगुण और अहंकार रूपी असुरों का परित्याग कर सात्विक जीवन अपनाने से ही परम शांति और आनंद की प्राप्ति संभव है। उन्होंने कालिय नाग दमन प्रसंग का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहा कि यह लीला मनुष्य को अपनी इंद्रियों पर संयम रखने की प्रेरणा देती है। जो व्यक्ति अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण रखता है, उसका जीवन सदैव सफल, संतुलित और आनंदमय बनता है। कथा के समापन पर श्रद्धालु भजनों की मधुर धुन पर भावविभोर होकर झूम उठे। भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की आकर्षक झांकी के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे परिसर में भक्ति, श्रद्धा, उल्लास और कृष्णमय वातावरण की अनुपम छटा बिखर गई।

महाविद्यालय में मोटिवेशनल स्पीकर हर्षवर्धन जैन का व्याख्यान

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में मोटिवेशनल स्पीकर हर्षवर्धन जैन का ट्रांसफोर्मेशन - इवोल्विंग द बैटर वर्जन आफ यू विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जैन दर्शन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ हितेंद्र के मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। संस्था के मंत्री महेश चन्द्र 'चांदवाड़ ' ने दीप प्रज्वलन किया। मोटिवेशनल गुरु हर्षवर्धन जैन का मंत्री महेश चन्द्र चांदवाड़, प्राचार्य डॉ अनिल कुमार जैन और शोध केन्द्र के डॉ कमलेश जैन ने तिलक, माला और शाल पहनाकर स्वागत किया। मोटिवेशनल स्पीकर हर्षवर्धन जैन ने जीवन मंथन अर्थात लाइफ ट्रांसफोर्मेशन को छोटी छोटी कहानियों के माध्यम से समझाया। ट्रांसफोर्मेशन, अपने आप को इतनी ऊंचाई पर लेकर जाओ,कि दूसरों के लिए उदाहरण बनोगे।80-20 प्रतिशत सिद्धांत पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया है कि जब आप अपना बेस्ट 20 प्रतिशत पहचान लेते हैं तो परिणाम 80 प्रतिशत सभी कार्य में दिखाई देने लगते हैं।कारण जानकर कार्य पर ऊर्जा खर्च करने से सफलता निश्चित है। आप विद्यार्थी हैं,आपका शानदार समय अभी आना है तो बुरे व्यसनों से दूर रहें।आपको अपने व्यवहार, आदतें, ज्ञान, दृष्टिकोण सभी को पूरी तरह बदलना होगा। यही ट्रांसफोर्मेशन आपको अपने लक्ष्य तक पहुंचाएगा।व्यक्ति की पहचान उसके गुणों से है। अच्छाई पीछे हटेगी तो बुराई को मौका मिलता है। हैल्थी,वैल्थी,प्रेममय जीवन अर्थात लव इज ओनली गिवन इमोशन। प्रेम देने के लिए ही बना है। हैप्पीनेस पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि खुशियां छोटी छोटी चीजों में है इसलिए अपने बचपन को कभी खत्म नहीं होने देना।बचपन की मस्तियों को हर आयु में जीवित रखना। स्पिच्युलटी ,चार गतियों को पार कर पंचम गति को पाना है।सफलता के छह सिद्धांत बताते हुए उन्होंने कहा, बुनियादी बातों में मजबूत होना चाहिए।अपना दिन शुरू होते ही हर दिन के सभी काम उसी दिन पूरा करो।इच्छा शक्ति ही सपने पूर्ण करवाती है।मजबूत अवलोकन और स्वाभाविक प्रतिभा पर फोकस- ईश्वरीय नेचुरल टेलेंट को पहचाना ही सफलता की कुंजी है। पर्सनल मैनेजमेंट में अपने लिए बड़े लक्ष्य बनाने की सीख दी।द ला आफ रबड़बैन्ड के माध्यम से समझाया कि यदि लचीलापन नहीं होगा तो जीवन व्यर्थ है।आप सधना का पर्याय हो सकते हैं लेकिन पूर्णतया समर्पण भाव चाहिए। पाज़िटिव एटिट्यूड पर बात करते हुए विषम परिस्थितियों में अपने आप को सकारात्मक बनाए रखने के महत्व को समझाया कि यही सकारात्मकता है।सफल व्यक्ति वही है जो सही आयु में अपने लक्ष्य को समझ कर जिम्मेदारी उठाए। बी मार्केटेबल अर्थात आपके हुनर की पहचान करवाने के लिए बाजार में पहचान। रिलेशनशिप बिल्डिंग घर से शुरू हो । माता पिता,बच्चे, परिवार सभी में सामंजस्य स्थापित हो।सुझावात्मक ट्रिगर पर बात करते हुए कहा कि आपका व्यक्तित्व निर्माण,आपकी आवाज,जो दूसरे के जीवन में वैल्यू एड कर सको। शब्द और क्रिया में साम्यता होनी चाहिए। इन्द्रियों पर काबू - योग्यता से महान सफलताएं मिल सकती है लेकिन इन्द्रियों पर काबू करने से टिकती है जिस दिन संयम पैदा हो गया, आसक्ति अपने आप समाप्त हो जाएगी। सुन्दरता बाहरी प्रसाधनों में नहीं है। भीतर में है। अपने आप को कठोर बनाओआपकी पोशाक , अपनी चीजों का रखरखाव ,जीवन में जो आपने शुरू किया उसे समाप्त करना होगा। जीवन की कोई भी दौड़ जीतने के लिए नहीं पूरा करने के लिए दोडौ। लगभग दो घंटे से अधिक चले इस सेशन में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई और जीवन जीने के नजरिए में बदलाव महसूस किया। एक सार्थक व्याख्यान रहा। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अनिल कुमार जैन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और हर्षवर्धन जैन से हर वर्ष इस तरह के आयोजन में शामिल होने का आग्रह किया।

धन-दौलत के पीछे नहीं, धर्म के मार्ग पर चलें: राष्ट्रसंत मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज

मक्सी पार्श्वनाथ अतिशय क्षेत्र में प्रथम मंगल प्रवेश, आज मनाया जाएगा आचार्य विद्यासागर जी महाराज का 59वां दीक्षा दिवस

मक्सी पार्श्वनाथ. शाबाश इंडिया। राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज ने कहा कि संसार में मनुष्य का अधिकांश जीवन धन-दौलत के पीछे भागते हुए बीत जाता है, जबकि वास्तविक सुख और शांति धर्म के मार्ग पर चलने से प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि धन व्यक्ति के पीछे नहीं चलता, बल्कि व्यक्ति धन के पीछे दौड़ता है और इसी कारण उसे अनेक बार परिवार, समाज, गुरु तथा मातृभूमि तक से दूर होना पड़ता है। मक्सी पार्श्वनाथ अतिशय क्षेत्र में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि संसार में तीन प्रकार की प्रवृत्तियां देखने को मिलती हैं। पहली, जब व्यक्ति किसी वस्तु या व्यक्ति को चाहता है तो उसके पीछे दौड़ता है। दूसरी, जब कोई वस्तु या परिस्थिति व्यक्ति का पीछा करती है। तीसरी और सर्वोच्च शक्ति धर्म की है, जो मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग बन जाती है। जहां धर्म है, वहां धर्मात्मा है और जहां धर्मात्मा है, वहां धर्म स्वतः विद्यमान रहता है। उन्होंने कहा कि आज अनेक लोग अधिक धन कमाने की इच्छा से अपने परिवार, समाज, गुरु और यहां तक कि देश को भी छोड़कर विदेशों का रुख कर लेते हैं। यदि धन ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाए तो मनुष्य अपने मूल्यों से दूर हो जाता है। इसलिए धन के पीछे नहीं, बल्कि धर्म के पीछे चलना चाहिए।

भगवान श्रीराम के जीवन से लें प्रेरणा

मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज ने भगवान श्रीराम के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इसलिए अमर हुए क्योंकि उन्होंने धर्म को कभी नहीं छोड़ा। राज्य, वैभव और सुख-सुविधाएं त्यागकर भी उन्होंने धर्म का मार्ग नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि यदि धर्म हमारे जीवन का आधार बन जाए तो कोई भी शक्ति हमें उससे अलग नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि आज छोटी-सी संपत्ति या धन के लिए परिवारों में विवाद, मुकदमे और रिश्तों में कटुता देखने को मिलती है, जबकि भगवान श्रीराम ने संपूर्ण राज्य त्यागकर भी कभी अपने अधिकार के लिए संघर्ष नहीं किया। यही त्याग, मर्यादा और धर्मनिष्ठा उन्हें युगों-युगों तक आदर्श बनाती है।

आचार्य विद्यासागर जी महाराज का 59वां दीक्षा दिवस आज

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि युगप्रवर्तक संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज का 59वां दीक्षा दिवस समारोह शनिवार, 18 जुलाई को अतिशय क्षेत्र मक्सी पार्श्वनाथ में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रातः 7 बजे जगत कल्याण की कामना के साथ भूगर्भ से प्राप्त चमत्कारिक चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा पर राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के मंत्रोच्चार के बीच शांतिधारा होगी। इसके पश्चात आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण, दीप प्रज्वलन, 59 कलशों पर 59 दीपों की स्थापना तथा 59 दंपतियों द्वारा संगीतमय महापूजन का आयोजन होगा। समारोह के अंत में 59 दीपों से भव्य महाआरती की जाएगी तथा मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज आचार्य विद्यासागर जी महाराज के विराट व्यक्तित्व एवं उनके तप, त्याग और आध्यात्मिक योगदान पर विशेष उद्बोधन देंगे।

नीट यूजी-2026 में आकाश का शानदार प्रदर्शन, आर्यन दुबे बने उत्तर प्रदेश के स्टेट टॉपर

ऑल इंडिया रैंक-7 हासिल कर रचा कीर्तिमान, वाराणसी शाखा के पांच छात्रों ने टॉप-500 में बनाई जगह

वाराणसी (संतोष कुमार सिंह)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी-2026 में आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (अएएछ) ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी सफलता की परंपरा को कायम रखा है। संस्थान के छात्र आर्यन दुबे ने ऑल इंडिया रैंक-7 प्राप्त कर उत्तर प्रदेश स्टेट टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। वाराणसी स्थित आकाश शाखा से इस वर्ष ऑल इंडिया टॉप-500 में पांच छात्रों ने स्थान बनाया। इनमें आर्यन दुबे (AIR-7), अंकुर कुमार (AIR-61), कृष्णा यादव (AIR-131), आदेश अक्षत (AIR-413) तथा आयुष यादव (AIR-429) शामिल हैं। इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में वाराणसी सेंटर के निदेशक विष्णुदेव तिवारी एवं आनंद प्रकाश पांडेय, सहायक निदेशक संजय तिवारी, रीजनल सेल्स ग्रोथ हेड अमित अवस्थी, मेडिकल विंग के एकेडमिक हेड इफ्तेखार अहमद अंसारी तथा ब्रांच हेड आफताब अहमद उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश में आकाश का दबदबा

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) द्वारा जारी शीर्ष 138 अभ्यर्थियों की सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश में आकाश के छात्रों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। आर्यन दुबे ने स्टेट रैंक-1, वंशम सिंह ने स्टेट रैंक-3, एकाग्र यादव ने स्टेट रैंक-5, नारायण हरि मिश्रा ने स्टेट रैंक-6, अरिमा झा ने स्टेट रैंक-7 तथा कृष्णा यादव ने स्टेट रैंक-8 प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया।

राष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार सफलता

संस्थान के अनुसार, नीट यूजी-2026 में आकाश के चार छात्रों ने ऑल इंडिया टॉप-10, 17 छात्रों ने टॉप-50 तथा 41 छात्रों ने टॉप-100 में स्थान बनाया। संस्थान ने इस सफलता का श्रेय अनुभवी फैकल्टी, वैज्ञानिक शिक्षण पद्धति, गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री, नियमित टेस्ट सीरीज तथा व्यक्तिगत मार्गदर्शन को दिया है।

आर्यन दुबे बोले— शिक्षकों का मार्गदर्शन रहा सफलता की कुंजी

अपनी सफलता पर आर्यन दुबे ने कहा कि ''नीट यूजी-2026 में ऑल इंडिया रैंक-7 प्राप्त करना मेरे लिए गर्व और खुशी का क्षण है। इस सफलता के पीछे अनुशासन, निरंतर मेहनत और लगातार सीखने की भावना रही। आकाश के शिक्षकों ने मेरे विषयगत आधार को मजबूत किया, तैयारी की रणनीति को बेहतर बनाया और पूरे सफर में मेरा मार्गदर्शन किया। मैं अपने माता-पिता और शिक्षकों का हृदय से आभारी हूं।''

भव्य सामैया के साथ साध्वी डॉ. विद्युतप्रभा श्रीजी का होगा चातुर्मास प्रवेश

दादावाड़ी में चार माह तक धर्म, साधना, स्वाध्याय और आध्यात्मिक जागरण के विविध आयोजन होंगे

उदयपुर. शाबाश इंडिया

सूरजपोल बाहर स्थित श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक वासूपूज्य महाराज मंदिर ट्रस्ट की दादावाड़ी रविवार, 19 जुलाई को विदुषी रत्नसुता साध्वी डॉ. विद्युतप्रभा श्रीजी आदि ठाणा-6 के मंगल चातुर्मास प्रवेश के साथ धर्म और आध्यात्मिक साधना का प्रमुख केंद्र बन जाएगी। इस अवसर पर भव्य सामैया, शोभायात्रा और धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं भाग लेंगी। ट्रस्ट अध्यक्ष राज लोढ़ा ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में बताया कि जैन परंपरा में चातुर्मास आत्मसंयम, तप, स्वाध्याय और आत्मकल्याण का विशेष काल माना जाता है। वर्षा ऋतु के चार महीनों तक संत-साध्वियां एक ही स्थान पर विराजमान रहकर धर्म, संस्कार और सदाचार का संदेश देती हैं। इसी परंपरा के अंतर्गत इस वर्ष साध्वी डॉ. विद्युतप्रभा श्रीजी का चातुर्मास दादावाड़ी में संपन्न होगा। ट्रस्ट सचिव दलपत दोशी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 7:30 बजे नगर निगम परिसर (टाउन हॉल) में नवकारसी से होगा। इसके बाद सुबह 8 बजे हाथी, घोड़े, बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों तथा धार्मिक जयघोषों के बीच भव्य सामैया निकलेगा। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सूरजपोल स्थित दादावाड़ी पहुंचेगी। चातुर्मास संयोजक गजेन्द्र भंसाली ने बताया कि प्रातः 9:30 बजे साध्वी श्रीजी का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मंगल प्रवेश कराया जाएगा। भगवान जिनेन्द्र देव एवं दादा गुरुदेव के दर्शन के पश्चात वे श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देंगी तथा धर्मसभा में संयम, संस्कार, आत्मजागरण और जीवन मूल्यों पर आधारित प्रवचन करेंगी। सह संयोजक विकास सुराणा ने बताया कि चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन नियमित प्रवचन, स्वाध्याय, सामायिक, प्रतिक्रमण, तप-आराधना, नवकार महामंत्र जाप, धार्मिक प्रश्नोत्तरी तथा युवा एवं महिला वर्ग के लिए विशेष सत्र आयोजित होंगे। पर्युषण महापर्व, संवत्सरी और आयंबिल जैसे प्रमुख धार्मिक आयोजन भी इसी अवधि में संपन्न होंगे। उपाध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि 25 जुलाई को दादा जिनदत्तसूरिश्वर महाराज की 872वीं स्वर्गारोहण जयंती पर गुणानुवाद सभा होगी, जबकि 28 जुलाई को चातुर्मास स्थापना का आयोजन किया जाएगा। इस प्रेस वार्ता में सह संयोजक सुभाष महात्मा एवं रैली संयोजक अनिल कोठारी सहित ट्रस्ट पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रिपोर्ट /फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

सुप्रसिद्ध जैन तीर्थ गिरनारजी की यात्रा के लिए 26 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' ने तिलक लगाकर दी मंगल विदाई

मुरैना/झांसी (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

भगवान नेमीनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक महोत्सव (20 जुलाई) के पावन अवसर पर झांसी से जैन श्रद्धालुओं का 26 सदस्यीय जत्था सुप्रसिद्ध जैन तीर्थ गिरनारजी (जूनागढ़, गुजरात) की यात्रा के लिए रवाना हुआ। यात्रियों को पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' ने तिलक लगाकर एवं धर्म पट्टिका पहनाकर मंगलमय यात्रा की शुभकामनाओं के साथ विदा किया। गौरतलब है कि गुजरात के जूनागढ़ जिले में स्थित गिरनार पर्वत की पांचवीं टोंक से जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ स्वामी ने कठोर तपस्या के उपरांत मोक्ष प्राप्त किया था। यही कारण है कि यह स्थान जैन समाज की प्रमुख आस्था स्थली माना जाता है। भगवान नेमीनाथ के मोक्ष कल्याणक पर्व पर देशभर से लाखों श्रद्धालु गिरनारजी पहुंचकर दर्शन एवं वंदना का लाभ प्राप्त करते हैं। इसी क्रम में झांसी से मुनिसेवा संघ के आशीष जैन नगरा के नेतृत्व में 26 तीर्थयात्रियों का दल झांसी रेलवे स्टेशन से जूनागढ़ के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर एम.के. जैन, राजीव जैन 'अहिंसा', संजय जैन 'कर्नल', सुगनचंद्र जैन, विकास जैन (चिरगांव), प्रवीण जैन, डी.के. जैन सहित अनेक समाजजनों ने यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए मंगलमय यात्रा की कामना की। यात्रा दल में पी.के. जैन, रवि जैन (बिजौली), अशोक जैन, निर्मल जैन, राजू जैन, किशोरी जैन (परीक्षा), अवधेश जैन, अमित जैन, सोनू जेनिथ, आशीष जेनिथ, आयुष जैन, सचिन जैन (परीक्षा), अजीत जैन, विराज जैन, अर्चना जैन, रीना जैन, शशि जैन, ममता जैन, सविता जैन, रूपल जैन, रितिका जैन, सृष्टि जैन, मुस्कान जैन तथा नित्या जैन सहित कुल 26 श्रद्धालु शामिल हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रमोद जैन वैरायटी ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं समाजबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

नीट-2026 में ऐसेंट करियर पॉइंट की शानदार सफलता, हर्षिल ने AIR-22 के साथ रचा नया कीर्तिमान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-2026 के घोषित परिणामों में उदयपुर के ऐसेंट करियर पॉइंट ने उत्कृष्ट सफलता का नया अध्याय लिखते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। संस्थान के प्रतिभाशाली छात्र हर्षिल गुप्ता ने ऑल इंडिया रैंक-22 प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया तथा उदयपुर को गौरवान्वित किया। उनकी इस उपलब्धि से संस्थान में हर्ष का वातावरण है। संस्थान डायरेक्टर मनोज बिसारती ने बताया कि विद्यार्थियों की सफलता के पीछे अनुशासित अध्ययन, नियमित टेस्ट सीरीज, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन तथा सुनियोजित शैक्षणिक वातावरण की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि संस्थान का लक्ष्य केवल परीक्षा में सफलता दिलाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धी माहौल के लिए तैयार करना है। इस वर्ष के परिणाम उसी सतत प्रयास का प्रमाण हैं। संस्थान के मैनेजर मंगला राम देवासी ने सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि सामूहिक समर्पण, कठोर परिश्रम और विश्वास का प्रतिफल है। उन्होंने विश्वास जताया कि संस्थान के विद्यार्थी देश के प्रतिष्ठित मेडिकल संस्थानों में प्रवेश लेकर चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देंगे। नीट-2026 में संस्थान के अन्य होनहार विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट रैंक प्राप्त कर सफलता की इस श्रृंखला को आगे बढ़ाया। इनमें मीत आहूजा (AIR-142), सौरभ पाण्ड्या (279), गौरव (326), नक्षत्र राज (415), हिया चम्पावत (440), देशना जैन (654), आयशा बानो (886), खुशी कुमारी (913), चिराग कटारा (1015), अनुज परमार (1116), अदिति जैन (1558), हेमलता कुँवर चुंडावत (1704), नकुल पाटीदार एवं कुणाल शौर्य (1749), पंकज कुमार (1851) तथा दिव्यांश तांतेर (1867) शामिल हैं। संस्थान परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसेंट करियर पॉइंट भविष्य में भी अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को कायम रखते हुए प्रदेश के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाता रहेगा। **रिपोर्ट/ फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'**

हावड़ा डबसन रोड के 'सुप्रभात महिला मंडल' ने किए शाश्वत सिद्ध क्षेत्र अयोध्याजी के दर्शन

गणिनी आर्यिका श्री 105 ज्ञानमती माताजी ससंघ के दर्शन कर लिया मंगल आशीर्वाद

अयोध्याजी. शाबाश इंडिया। हावड़ा डबसन रोड (कोलकाता) स्थित सुप्रभात महिला मंडल के तत्वावधान में करीब 50 जैन श्रद्धालुओं का एक दल शाश्वत सिद्ध क्षेत्र एवं वर्तमान चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की पावन जन्मभूमि अयोध्याजी पहुंचा। श्रद्धालुओं ने भक्ति-भाव से भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं विशेष पूजन-अर्चन कर विश्व शांति एवं सर्वमंगल की कामना की।

इस आध्यात्मिक यात्रा का सबसे भावपूर्ण एवं सौभाग्यशाली क्षण तब आया, जब सभी श्रद्धालुओं को जैन समाज की वंदनीय विभूति गणिनी आर्यिका श्री 105 ज्ञानमती माताजी ससंघ के साक्षात दर्शन एवं मंगल आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला। सुप्रभात महिला मंडल की महिला सदस्यों सहित सभी श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति-भाव से पूज्य माताजी को आहारदान का पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने माताजी के सान्निध्य में धर्मोपदेश एवं मंगल प्रवचनों का लाभ प्राप्त कर आत्मिक शांति का अनुभव किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने अयोध्याजी स्थित विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों एवं पावन तीर्थ स्थलों के दर्शन-वंदन किए। तीर्थयात्रा पूर्ण होने पर सभी श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आनंद का वातावरण दिखाई दिया। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने कहा कि तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की पावन जन्मभूमि के दर्शन तथा गणिनी आर्यिका श्री 105 ज्ञानमती माताजी के सान्निध्य और आशीर्वाद का सौभाग्य उनके जीवन की अविस्मरणीय आध्यात्मिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा धर्म प्रभावना, आत्मिक उन्नति और श्रद्धा को सुदृढ़ करने वाली प्रेरणादायी यात्रा सिद्ध हुई।

मुनि श्री विश्वविजय सागर जी का चातुर्मास मुहाना स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में

चातुर्मास व्यवस्था समिति की बैठक आज, 18 जुलाई को होगी

चाकसू. शाबाश इंडिया। मुनि श्री 108 विश्वविजय सागर जी महाराज के आगामी चातुर्मास के लिए मुहाना स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में सकल दिगम्बर जैन समाज की सहभागिता से श्रद्धापूर्वक श्रीफल चढ़ाकर चातुर्मास का अनुमोदन किया गया। मुहाना मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन कुमार गोदिका ने बताया कि वर्तमान में चाकसू में विराजमान आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में गुरु भाइयों का मंगल मिलन हुआ। मुनि श्री विश्वविजय सागर जी महाराज का चार दिवसीय प्रवास भी चाकसू में चल रहा है। उन्होंने बताया कि 17 जुलाई को भगवान आदिनाथ एवं भगवान चंद्रप्रभु की पाषाण प्रतिष्ठित प्रतिमाएं लगभग 40 किलोमीटर के विहार के उपरांत आदिश्वर धाम, चाकसू पहुंचीं। प्रतिमाओं की अगवानी आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागर जी महाराज, मुनि श्री 108 विश्वविजय सागर जी महाराज, मुनि श्री 108 शांतितीर्थ जी महाराज, मुनि श्री 108 प्रियतीर्थ जी महाराज, श्रीमद अभिनव स्वस्ति श्री अरिहंतकीर्ति जी भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी जी, क्षुल्लक श्री 105 दिव्यतीर्थ जी महाराज, क्षुल्लिका श्री 105 शांतकीर्ति माताजी तथा क्षुल्लिका श्री 105 अन्नप्रज्ञा माताजी ससंघ के सान्निध्य में बैंड-बाजों एवं जयघोष के साथ हर्षोल्लासपूर्वक की गई। मुनि श्री विश्वविजय सागर जी महाराज 18 जुलाई को प्रातः चाकसू से विहार करते हुए शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, बिलवा पहुंचेंगे, जहां उनकी आहारचर्या संपन्न होगी।

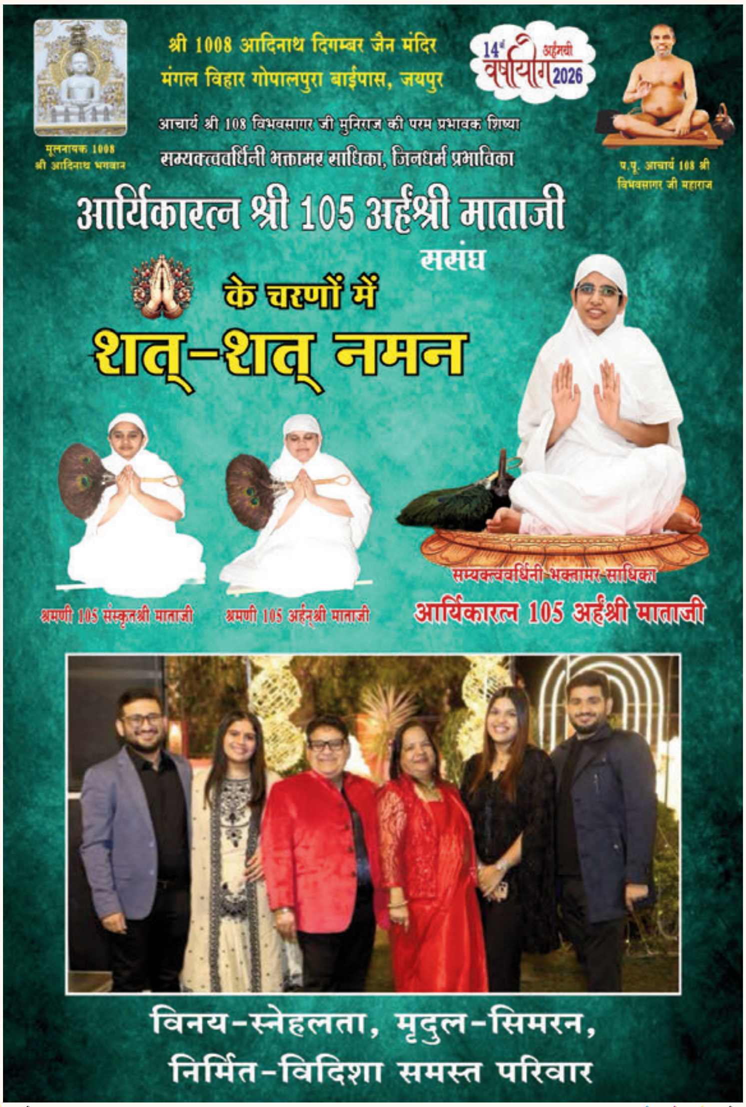

गंगासागर में चैत्यालय स्थापना एवं वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव से पूर्व श्रद्धालुओं ने लिया आचार्य वसुनंदी जी महाराज का मंगल आशीर्वाद

कोलकाता. शाबाश इंडिया

गंगासागर के पावन तट पर आयोजित होने वाले भव्य चैत्यालय स्थापना एवं वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के शुभारंभ से पूर्व आयोजन से जुड़े प्रमुख पुण्यार्जकों, पात्रों एवं सकल जैन समाज के प्रतिनिधियों ने पूज्य आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महामुनिराज के सान्निध्य में पहुंचकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। यह कार्यक्रम श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन उपवन मंदिर, बेलगछिया (कोलकाता) में संपन्न हुआ। आगामी 18 जुलाई से गंगासागर में प्रारंभ होने वाले इस धार्मिक महोत्सव की सफलता एवं निर्विघ्न संपन्नता की कामना करते हुए आचार्य श्री ने श्रद्धालुओं को अपने प्रेरणादायी आशीर्वचन प्रदान किए। इस अवसर पर प्रतिष्ठाचार्य आलोक कुमार जैन (बड़ा मलहरा), सौधर्म इंद्र अमित सेठी एवं विनीता सेठी, यज्ञनायक कमल पाटनी, ध्वजारोहणकर्ता नरेन्द्र पांड्या एवं राजकुमारी

पांड्या, वेदी प्रदाता फूलचंद सेठी एवं विनोद कुमार सेठी (दीमापुर) सहित राजकुमार सेठी, श्रीमती ज्ञानादेवी सेठी, विजय सरावगी, विनीत पाटनी (आसनसोल) तथा समाज के अनेक गणमान्य पुण्यार्जक श्रद्धाभाव के साथ उपस्थित रहे। अपने मंगल आशीर्वचन में आचार्य श्री वसुनंदी जी महामुनिराज ने कहा कि गंगासागर में आयोजित यह चैत्यालय स्थापना एवं वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव जैन समाज के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि तीर्थ क्षेत्रों एवं पवित्र स्थलों पर जिनालयों और चैत्यालयों की स्थापना धर्म प्रभावना के साथ-साथ आत्मकल्याण का भी महत्वपूर्ण माध्यम बनती है। आचार्य श्री ने संपूर्ण महोत्सव के सफल, शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न आयोजन के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त करते हुए सभी श्रद्धालुओं को धर्म आराधना और सेवा के लिए प्रेरित किया। गंगासागर में आयोजित होने वाले इस महोत्सव को लेकर जैन समाज में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण है। आयोजन समिति ने देशभर के धमार्नुरागियों से इस ऐतिहासिक वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव में सहभागी बनकर धर्मलाभ एवं पुण्यार्जन करने का आह्वान किया है।

सिवाना सेवा समिति, अहमदाबाद का बोर्ड मेंबर्स गेट-टुगेदर हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

अहमदाबाद. शाबाश इंडिया

सिवाना सेवा समिति, अहमदाबाद द्वारा समिति के बोर्ड मेंबर्स एवं उनके जीवनसाथियों के लिए आयोजित ''डिनर एवं हिन्दी सिनेमा 'धमाल-4' गेट-टुगेदर'' का आयोजन अत्यंत उत्साह, सौहार्द एवं आत्मीय वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समिति के उपाध्यक्ष मुकेश आर. चौपड़ा ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन चांदखेड़ा स्थित औरा बैंक्वेट व मुक्ता सिनेमा में हुआ ।सर्वप्रथम स्नेहपूर्ण मिलन एवं शाही भोजन औरा बैंक्वेट में हुआ, जहाँ सभी सदस्यों ने आपसी संवाद, हँसी-मजाक एवं पारिवारिक माहौल का भरपूर आनंद लिया।इसके पश्चात सभी ने एक साथ मुक्ता सिनेमा हॉल में 'धमाल-4' फिल्म का आनंद लिया। पूरे आयोजन में उत्साह, अपनापन और पारिवारिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला।इस अवसर पर समिति के सभी बोर्ड सदस्यों एवं उनके परिवारजनों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी ने आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्था, अनुशासन एवं आत्मीय आतिथ्य की सराहना करते हुए इसे

यादगार संध्या बताया। समिति के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु उपस्थित सभी बोर्ड मेंबर्स एवं उनके परिवारजनों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। साथ ही आयोजन समिति एवं मैनेजमेंट टीम के सभी सदस्यों का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनके समर्पण , योजना एवं अथक परिश्रम से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष दिलीप बागरेचा ने बताया की जब परिवार, मित्रता और अपनापन एक साथ मुस्कुराते हैं, तभी कोई आयोजन केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवनभर की यादगार बन जाता है। कार्यक्रम दरम्यान अध्यक्ष दिलीप बागरेचा, सचिव कीर्ति बागरेचा, कोषाध्यक्ष राजेश मेहता , पूर्व अध्यक्ष अशोक भंसाली , रमेश बागरेचा , अमित बालड, उपाध्यक्ष मनीष मेहता , रणजीत कानूंगा , मुकेश चौपड़ा आदि उपस्थित थे ।